



काफी संख्या होने के चलते इसकी अवधि बढ़ाने के संकेत भी दिए हैं। साथ ही राज्यों से चल रहे एसआईआर की प्रगति रिपोर्ट भी मांगी है। माना जा रहा है कि इस रिपोर्ट के आने के बाद राज्यों के अनुरोध पर जरूरी समय बढ़ा दिया जाएगा। वैसे भी जिन राज्यों में हाल-फिलहाल कोई चुनाव नहीं है, वहाँ एसआईआर को लेकर वह बिल्कुल भी जल्दबाजी में नहीं है। इसके साथ ही आयोग ने सभी राज्यों में ऐसे क्विंटिस पर सुनवाई के लिए प्रत्येक मतदाता केंद्र पर नॉप लगाने के निर्देश दिए हैं। दिल्ही में इस पर मामल भी शुरू हो गया है।

गौरतलब है कि एसआईआर के तीसरे चरण में 19 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को शामिल किया गया था, इनमें सिक्किम, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय को छोड़ें बाकी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में अभी काम चल रहा है।

वड़नगर से निकली सेवा संकल्प यात्रा का बेटमा में हुआ भव्य स्वागत

यात्रा में शामिल युवाओं ने बेटमा में पौधारोपण, श्रमदान, बच्चों से संवाद और गुरुद्वारा दर्शन सहित विभिन्न सेवा गतिविधियों में लिया हिस्सा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के 25 वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सेवा, संकल्प और सुशासन के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से गुजरात के वड़नगर से निकली सेवा संकल्प यात्रा का सोमवार की शाम इंदौर जिले के बेटमा पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। यात्रा में 35 वर्ष से कम आयु के लगभग 35 युवा बाइक पर शामिल हैं। यात्रा के दौरान युवाओं द्वारा विभिन्न राज्यों में सेवा गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों से संवाद किया जा रहा है। यह यात्रा वड़नगर से गोंधी नगर, गोधरा, दाहोद, झाबुआ होते हुए बेटमा पहुंची। वड़नगर से 17 सितंबर को 10 टोलियों में 10 मागों पर यात्राएं निकली।

सेवा संकल्प यात्रा का आयोजन 17 सितम्बर से 7 अक्टूबर तक किया जा रहा है। वड़नगर से एक साथ 10 सेवा संकल्प यात्राएं रवाना हुई हैं। यात्रा प्रभारी श्री धूमिल पटेल एवं श्री आकाश कड़वी ने बताया कि यात्रा गुजरात,

‘800 दिन बचे हैं, अब शिक्षा पर काम कीजिए’, जीतू पटवारी ने CM मोहन यादव पर साधा निशाना



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इंदौर में आयोजित एक पत्रकार वार्ता के दौरान शिक्षा व्यवस्था और राजनीतिक हालात को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पर जमकर निशाना साधा। पटवारी ने सीएम से सस्ती शिक्षा सुनिश्चित करने की अपील करते हुए कहा कि उनके पास अब सिर्फ 800 दिन बचे हैं, इसलिए वे जनता से जुड़े असली मुद्दों पर काम करें। उन्होंने यह भी एलान किया कि पूरे प्रदेश में छात्रों और अभिभावकों के साथ मिलकर छात्रों की गुंज कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

800 दिन बचे हैं, भाजपा नेता ही धक्का मारने में लगे हैं- पटवारी ने मुख्यमंत्री को नसीहत देते हुए कहा कि यादव जी, आपसे विनम्र प्रार्थना है कि सस्ती एजुकेशन आपकी जवाबदारी है। आपके पास केवल 800 दिन बचे हैं और इस बीच भाजपा वाले ही आपको धक्का मारने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को बिना समय बर्बाद किए शिक्षा पर काम करना चाहिए, क्योंकि कुर्सी के ये दिन कब निकल जाएंगे, पता भी नहीं चलेगा।

हर जिले में बिना राजनीतिक बैनर के होगा छात्रों की गुंज कार्यक्रम- प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने घोषणा की कि आने वाले समय में मध्य प्रदेश के हर जिले में छात्रों की गुंज कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन की रूपरेखा स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम कांग्रेस के बैनर तले नहीं होगा। इसमें अभिभावकों और छात्रों का सीधा सहयोग लिया जाएगा। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार अब डर और छात्रों से जुड़े असली मुद्दों पर काम करना शुरू करें।

इंदौर पहुंचे BJYM अध्यक्ष हेमांग जोशी, बोले- गांव-गांव पहुंचकर सेवा कार्य कर रही सेवा संकल्प यात्रा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हेमांग जोशी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष के सेवा संकल्प को लेकर चलाए जा रहे अभियानों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष के सेवा संकल्प के पूर्ण होने के अवसर पर देशभर में सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में गुजरात के बड़नगर से वाराणसी और वाराणसी से बड़नगर तक सेवा संकल्प यात्रा निकाली जा रही है। हेमांग जोशी ने बताया कि इस यात्रा में युवा गांव-गांव पहुंचकर ग्रामीणों के बीच सेवा कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में यात्रा को लोगों का समर्थन मिल रहा है। जोशी ने बताया कि वे भी सेवा संकल्प यात्रा में शामिल होने के लिए इंदौर पहुंचे हैं और अगले दो दिनों तक उन ग्रामीण क्षेत्रों में जाएंगे, जहां से यह यात्रा गुजर रही है।

राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां को लेकर की गई टिप्पणी के सवाल पर हेमांग जोशी ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पहले 'भारत जोड़े' नाम से प्रकल्प शुरू किया गया था, लेकिन उनकी अपनी पार्टी ही टूट गई। अब 'झूठ की गुंज' का नया प्रकल्प लेकर निकले हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव का जिक्र करते हुए जोशी ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने छात्रों की हंकार को दिल्ली विश्वविद्यालय में दिखा दिया है। उन्होंने कहा कि भारत का युवा राष्ट्रप्रेमी है और विकसित भारत के संकल्प के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मजबूती से खड़ा है। राहुल गांधी को लेकर उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी पीआर टीम उन्हें PPT बनकर देती है और राहुल गांधी उसी PPT को पढ़ते हैं। जोशी ने कहा कि यदि राहुल गांधी से PPT के बिना कोई सवाल किया जाए तो उनके पास कोई कंटेंट नहीं रहेगा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, जितनी चाबी भरी राम ने, उतना चले खिलौना।



मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ होते हुए उत्तर प्रदेश के वाराणसी तक पहुंचेगी। यात्रा का उद्देश्य प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सेवा, संकल्प और सुशासन के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना है।

बेटमा पहुंचने पर यात्रा में शामिल युवाओं का सांसद श्री हेमांग भाई जोशी, श्री श्याम टेलर एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा स्वागत किया गया। इसके पश्चात युवाओं ने बेटमा स्थित रेवा कुंड परिसर में पौधारोपण किया तथा श्रमदान

में सहभागिता की। युवाओं ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

यात्रा के दौरान युवाओं ने बेटमा गुरुद्वारा पहुंचकर दर्शन किए तथा लंगर में प्रसाद ग्रहण किया। इसके साथ ही श्रमोदय विद्यालय में विद्यार्थियों से संवाद कर

उनके साथ समय बिताया और शिक्षा, सेवा तथा राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर चर्चा की। यात्रा में शामिल युवाओं द्वारा विभिन्न स्थानों पर सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन भी किया जा रहा है।

सेवा संकल्प यात्रा में शामिल युवाओं का बेटमा में नागरिकों द्वारा उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। यात्रा के माध्यम से युवाओं में सेवा भावना, सामाजिक सहभागिता और राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया जा रहा है।

शिकायत एवं औचक निरीक्षण के आधार पर खाद्य प्रतिष्ठानों पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्रवाई

विभिन्न प्रतिष्ठानों से 13 खाद्य नमूने जांच हेतु लिए गए

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, मध्य प्रदेश, भोपाल के निर्देशन में तथा कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन, इंदौर द्वारा विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता संबंधी कमियों को दूर करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए तथा खाद्य पदार्थों के नमूने जांच हेतु लिए गए।

बायपास स्थित करी ईन्स रेस्टोरेंट की शाखा का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य प्रतिष्ठान में कार्यरत कर्मियों के आवश्यक मेडिकल प्रमाण-पत्र एवं पेस्ट कंट्रोल प्रमाण-पत्र उपलब्ध नहीं पाए गए। किचन में खुले डस्टबिन पाए गए तथा शाकाहारी एवं मांसाहारी खाद्य पदार्थों को एक ही फ्रिज में रखा जाना पाया गया। मौके से रेड ग्रेवी, ब्राउन ग्रेवी, पनीर एवं दही के कुल 04 नमूने जांच हेतु लिए गए।

व्हाट्सऐप पर प्राप्त शिकायत के आधार पर न्यू पलासिया स्थित अपना स्वीट्स का निरीक्षण खाद्य सुरक्षा प्रशासन के दल द्वारा किया गया। प्रतिष्ठान



में साफ-सफाई एवं खाद्य स्वच्छता बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मौके से प्रतिष्ठान द्वारा स्वनिर्मित हल्दी पाउडर, मिर्च पाउडर, किचन किंग मसाला, तैयार आलू मसाला, तैयार दाल, तैयार मिक्स वेज एवं तैयार बटर पनीर के कुल 07 नमूने जांच हेतु लिए गए। लिए गए नमूनों को राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा जा रहा है। निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों के आधार पर प्रतिष्ठान को नोटिस जारी किया जा रहा है।

साउथ तुकोगंज स्थित न्यू सुंदर होटल का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान किचन में कार्यरत कर्मचारियों के मेडिकल प्रमाण-पत्र एवं

खाद्य परीक्षण संबंधी रिपोर्ट उपलब्ध नहीं पाए गए। उक्त कमियों के संबंध में नोटिस जारी किया जा रहा है। मौके से पनीर एवं चावल के कुल 02 नमूने जांच हेतु लिए गए, जिन्हें राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा जा रहा है। प्रयोगशाला से प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर

नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

इस प्रकार आज की कार्रवाई में विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों से कुल 13 खाद्य नमूने जांच हेतु लिए गए हैं। सभी नमूनों को परीक्षण हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम एवं संबंधित नियमों के अंतर्गत नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा खाद्य प्रतिष्ठानों में स्वच्छता, सुरक्षित खाद्य पदार्थों की उपलब्धता तथा खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने हेतु निरीक्षण एवं नमूना कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

इंदौर में डोल ग्यारस पर निकलने वाले जुलूसों के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए एसडीएम को सौंपे गये दायित्व

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने संबंधित थाना क्षेत्रों में सतत निगरानी एवं समन्वय के दिए निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में 22 सितम्बर डोल ग्यारस पर निकलने वाले जुलूसों के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री शिवम वर्मा द्वारा जिले के विभिन्न अनुभागों में पदस्थ अनुविभागीय दंडाधिकारियों की ड्यूटी निर्धारित की है। जारी आदेश के अनुसार संबंधित अधिकारी अपने-अपने अनुविभागीय क्षेत्रों में कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के साथ ही संबंधित पुलिस अधिकारियों के निरंतर संपर्क एवं समन्वय में रहेंगे।

निर्धारित व्यवस्था के तहत अनुविभागीय

दंडाधिकारी महू श्री राकेश परमार को महू क्षेत्र, अनुविभागीय दंडाधिकारी सांवेर श्री हरिशंकर विश्वकर्मा को सांवेर क्षेत्र, अनुविभागीय दंडाधिकारी देपालपुर श्री चरणजीत सिंह हुड्डा को देपालपुर क्षेत्र तथा अनुविभागीय वर्मा द्वारा जिले के विभिन्न अनुभागों में पदस्थ अनुविभागीय दंडाधिकारियों की ड्यूटी निर्धारित की है। जारी आदेश के अनुसार संबंधित अधिकारी अपने-अपने अनुविभागीय क्षेत्रों में कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के साथ ही संबंधित पुलिस अधिकारियों के निरंतर संपर्क एवं समन्वय में रहेंगे।

इसी प्रकार अनुविभागीय दंडाधिकारी खुड्डेल श्री राहुल गुप्ता, अनुविभागीय दंडाधिकारी राज क्षेत्र श्री लोकेन्द्र सिंह सरल, अनुविभागीय दंडाधिकारी कनाड़िया श्री दीपक चौहान, अनुविभागीय दंडाधिकारी मल्हारगंज क्षेत्र डॉ. निधि वर्मा, अनुविभागीय दंडाधिकारी

जूनी इंदौर श्री घनश्याम धनगर तथा अनुविभागीय दंडाधिकारी भिचोली हप्पी श्री अजय भूषण शुक्ला को भी उनके संबंधित अनुविभागीय क्षेत्रों में कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी दी गई है।

निर्देशित किया गया है कि सभी संबंधित अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए पुलिस अधिकारियों से आवश्यक समन्वय एवं संवाद में रहेंगे। साथ ही नगर निगम, स्वास्थ्य एवं लोक निर्माण विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों से भी समन्वय स्थापित कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेंगे।

अनंत चतुर्दशी चल समारोह मार्ग का अधिकारियों ने बस से किया संयुक्त निरीक्षण

सुरक्षा, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, अग्नि सुरक्षा, ध्वनि नियंत्रण और आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था के दिए निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अनंत चतुर्दशी पर निकलने वाले चल समारोह की तैयारियों को लेकर आज पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा और नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने एक साथ बस में सवार होकर झांकी मार्ग का संयुक्त निरीक्षण किया। अधिकारियों का यह भ्रमण डीआरपी लाइन से प्रारंभ होकर राजवाड़ा में सम्पन्न हुआ।

अधिकारियों ने पूरे मार्ग का भ्रमण करते हुए जगह-जगह बस रोककर मौके पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान सुरक्षा, यातायात, विद्युत, अग्निशमन, स्वास्थ्य, नगर निगम सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई तथा मौके पर आवश्यक निर्देश दिए गए।

पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह ने निर्देश दिए कि चल समारोह के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह पुख्ता रहे। भीड़ प्रबंधन और यातायात व्यवस्था के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाए। संवेदनशील एवं अधिक भीड़ वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखते हुए आपात स्थितियों में त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।



कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने निर्देश दिए कि झांकी मार्ग पर विद्युत व्यवस्था निर्बाध एवं सुरक्षित रहे। विद्युत लाइनों, कनेक्शनों और अन्य उपकरणों की आवश्यक जांच समय रहते पूरी की जाए। उन्होंने अग्नि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रखने, फायर ब्रिगेड की पर्याप्त उपलब्धता तथा आपात स्थिति में त्वरित रियासत सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने झांकी मार्ग पर स्थित जर्जर एवं खतरनाक मकानों का चिन्हन कर आवश्यक सुरक्षा उपाय करने के निर्देश दिए। ऐसे भवनों के आसपास भीड़ को देखते हुए विशेष सावधानी बरतने तथा आवश्यक होने पर संबंधित भवनों के संबंध में कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

कलेक्टर श्री वर्मा ने ध्वनि नियंत्रण के निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करने तथा झांकी मार्ग पर आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था के लिए पर्याप्त संख्या में एम्बुलेंस, मेडिकल टीम एवं आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध रखने के निर्देश दिए।

नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने अधिकारियों को झांकी मार्ग पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सड़क एवं अन्य नागरिक सुविधाओं को बेहतर रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मार्ग में आने वाली संभावित व्यवस्थागत चुनौतियों को भी देखा और संबंधित विभागों को अनुसारी समन्वय से समय रहते आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

डीआरपी लाइन से शुरू हुआ अधिकारियों का यह संयुक्त बस भ्रमण झांकी मार्ग के प्रमुख क्षेत्रों से होते हुए ऐतिहासिक राजवाड़ा पहुंचकर सम्पन्न हुआ। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि अनंत चतुर्दशी चल समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं नागरिकों की सहभागिता को देखते हुए सभी विभाग आपसी समन्वय से व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें, ताकि समारोह सुरक्षित, व्यवस्थित और सुगम रूप से सम्पन्न हो।

अनंत चतुर्दशी चल समारोह की व्यवस्थाओं को लेकर झांकी एवं अखाड़ा संचालकों की बैठक

अनंत चतुर्दशी चल समारोह में समय की पाबंदी और अनुशासन पर रहेगा विशेष जोर



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अनंत चतुर्दशी चल समारोह की व्यवस्थाओं को लेकर आज कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में झांकी एवं अखाड़ा संचालकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में चल समारोह को व्यवस्थित, सुगम और निर्बाध रूप से संपन्न कराने के संबंध में विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार, श्री रिकेश वैश्य सहित पुलिस प्रशासन एवं संबंधित विभागों के अधिकारी तथा झांकी एवं अखाड़ा संचालक उपस्थित थे। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि अनंत चतुर्दशी का चल समारोह इंदौर की गौरवशाली परंपरा है। इसमें झांकियों के साथ अखाड़ों के कलाकार अपनी पारंपरिक कलाओं एवं कौशल का प्रदर्शन करते हैं। समारोह को देखने बड़ी संख्या में शहरवासी पहुंचते हैं। इसलिए ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है, जिससे दर्शकों को सुगमता रहे और झांकियों एवं अखाड़ों का आवागमन भी निर्बाध रूप से हो सके।

निर्धारित समय का करना होगा पालन-बैठक में झांकियों और अखाड़ों के लिए निर्धारित समय का अनिवार्य रूप से पालन कराने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि किसी एक झांकी अथवा अखाड़े द्वारा अधिक समय लेने से पीछे आने वाली झांकियों और अखाड़ों का समय प्रभावित होता है। इससे आम नागरिकों को भी सभी झांकियां और अखाड़ों के प्रदर्शन देखने का अवसर नहीं मिल पाता। इसके लिए मंचों के समक्ष अखाड़ों को निर्धारित समय में ही अपना प्रदर्शन पूरा करना होगा। निर्णायक मंच के समक्ष निर्धारित समय से अधिक प्रदर्शन करने पर

निगेटिव मार्किंग एवं अंक काटे जाने की व्यवस्था भी रहेगी।

झांकियों की ऊंचाई और मंचों की चौड़ाई व्यवस्थित रहेगी- बैठक में झांकियों की ऊंचाई को व्यवस्थित रखने तथा मंचों की चौड़ाई निर्धारित मानकों के अनुरूप रखने पर भी चर्चा हुई, ताकि चल समारोह के दौरान आवागमन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो और दर्शकों को भी झांकियां देखने में सुविधा रहे। ध्वनि व्यवस्था में दो स्पीकर की सीमा- चल समारोह में ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए इस बार प्रत्येक झांकी पर अधिकतम दो स्पीकर लगाने की व्यवस्था तय की गई है। इससे अधिक स्पीकर लगाए जाने पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि डीजे पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। यह व्यवस्था माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप लागू की जाएगी।

अखाड़ों को प्रोत्साहन के लिए पुरस्कार राशि- बैठक में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार पारंपरिक खेलों एवं कलाओं को बढ़ावा देने के लिए सहयोग किया जा रहा है। इसी क्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अखाड़ों प्रमाण-पत्र के साथ नगद पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। बैठक में सभी झांकी एवं अखाड़ा संचालकों से अपील की गई कि वे निर्धारित नियमों एवं संहिता-वर्षा का पालन करते हुए पूरे उत्साह, अनुशासन और गरिमापूर्ण तरीके से अनंत चतुर्दशी के इस ऐतिहासिक एवं गौरवशाली आयोजन को सफल बनाएं।

झांकियों का क्रम- बैठक में निर्णय लिया गया कि झांकियों का क्रम पूर्ववत् ही रहेगा। झांकियां शाम 6 बजे से प्रारंभ होगी। पहली झांकी श्री खजराना गणेश मंदिर की रहेगी। इसके पश्चात श्री

पर्यषण महापर्व के श्रावक संस्कार शिविर में आयुष विभाग ने दी निःशुल्क चिकित्सा सेवाएं

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुष विभाग मध्यप्रदेश शासन के अंतर्गत जिला आयुष कार्यालय इंदौर द्वारा पर्यषण महापर्व के अवसर पर आचार्य श्री सुधा सागर जी द्वारा निर्देशित श्रावक संस्कार शिविर में आयुष विभाग द्वारा निःशुल्क चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया ने बताया कि शिविर में 16 सितंबर 2026 को आयुष विभाग की चिकित्सा टीम द्वारा लगभग 150 लाभार्थियों, 17 सितम्बर 137, लाभार्थी, 18 सितम्बर 186 लाभार्थी, 19 सितम्बर 267 लाभार्थी, 20 सितम्बर को 214 लाभार्थी का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, लाभार्थियों को आवश्यकतानुसार निःशुल्क आयुर्वेदिक औषधियों का वितरण करने के साथ-साथ आयुर्वेदिक चिकित्सा, आहार-विहार एवं स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्रदान किया गया, शिविर के दौरान जनसामान्य को स्वस्थ जीवनशैली, आयुर्वेदिक उपचार एवं दैनिक जीवन में स्वास्थ्य संरक्षण संबंधी जानकारी भी प्रदान की जा रही है।

शिविर नोडल अधिकारी डॉ. घनश्याम डावर ने बताया कि यह श्रावक संस्कार शिविर 15 सितंबर से 25 सितंबर 2026 तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें इस अवधि के दौरान आयुष विभाग द्वारा निरंतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। शिविर प्रमुख सचिव आयुष श्री सुधीर जैन, संभागीय आयुष अधिकारी डॉ मीना भावल, जिला आयुष अधिकारी डॉ हंसा बारिया के निर्देशन में आयुष विभाग के चिकित्सक, सीएएमओ, पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित होकर प्रतिदिन 9 से 5 तक चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहे हैं, शिविर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं शिविरार्थियों ने आयुष चिकित्सा सेवाओं का लाभ लिया।

इंदौर में एक खाते से 10 राज्यों में 26 साइबर ठगी की शिकायतें, खाताधारक गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। साइबर ठगों के लिए बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले नेटवर्क पर फ्राइम ब्रांच के आरोपण में मैट्रिक्स-2 के तहत कार्रवाई की है। पुलिस ने खाता साइबर करने के आदेश में एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके बैंक आफ इंडिया की कस्टरूबा (तेजाजी नगर) शाखा के एक ही खाते के खिलाफ देश के 10 राज्यों में 26 साइबर अपराध की शिकायतें दर्ज मिली हैं। एडिशनल डीसीपी(अपराध) राजेश दंडोलिया के अनुसार राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के आधार पर दृढ़4सी.एनसीआरपी और साइबर फ्राइम पोर्टल पर इस खाते की पड़ताल की गई। बैंक से खाते की जानकारी लेने के बाद पुलिस ने खाताधारक से पूछताछ की। पुलिस के अनुसार तनिश ने स्वीकार किया कि खाते में आने वाली रकम का कुछ हिस्सा परिजनों के खातों में ट्रांसफर करता था, जबकि बाकी रकम एटीएम से निकालकर अन्य गिरोह में शामिल लोगों को जलकब्र करता था। 10 राज्यों तक पहुंची धोखाधड़ी की रकम- जांच में खाते से जुड़ी 26 शिकायतें मिली हैं। इनमें उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, असम, बिहार, गुजरात और हिमाचल प्रदेश शामिल हैं। पुलिस के अनुसार अलग-अलग राज्यों में दर्ज साइबर ठगी की शिकायतों से जुड़ी रकम इस खाते के जरिए ट्रांसफर होने के तथ्य मिले हैं। पुलिस ने तनिश के खिलाफ बीएनएस की धाराओं में केस दर्ज किया है। अब खाते में हुए लेन-देन, एटीएम से निकाली गई रकम और रकम आगे किन लोगों तक पहुंची, इसकी जांच की जा रही है। फ्राइम ब्रांच अब यह पता लगा रही है कि तनिश ने किन लोगों के कहने पर खाते का इस्तेमाल किया और रकम निकालकर किन लोगों को दी।

जावद की माटी के लाल और जन-जन के नेता स्व. घनश्याम पाटीदार की जयंती पर कद्दावर कांग्रेस नेता सत्यनारायण पाटीदार ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि; लिया संकल्प



शासकीय मदद से नवीन ने साड़ी की दुकान लगाई, आया सकारात्मक बदलाव

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन की योजना की मदद से मंदसौर जिले के मल्हारगढ़ के नवीन अठवाल के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है वे अधिक क़र्ज़ की ओर अग्रसर हुए हैं अनुसूचित जाति के नवीन शिक्षित बेरोज़गार थे आर्थिक संकट से घिरे थे। समाचार पत्रों में शासकीय योजना के बारे में जानकारी मिलने पर नवीन द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना में पोर्टल पर वर्ष 2024-25 में लाभ प्राप्त करने हेतु ऑनलाइन आवेदन किया गया। आवेदक भारतीय स्टेट बैंक शाखा मल्हारगढ़ द्वारा उसी वर्ष में स्वीकृत करके 95 हजार रुपये की ऋण राशि नवीन को प्रदान कर दी गई। योजना का लाभ उठाकर नवीन ने साड़ी विक्रय की दुकान अपने घर से ही शुरू करके परिवार के साथ मिलकर काम शुरू किया गया। धीरे-धीरे दुकान अच्छी चल निकली उनकी आमदनी भी अच्छी होने लगी है। अब वह आसानी से रुपए कमा रहे हैं। बैंक की किस्त भी नियमित रूप से अदा कर रहे हैं। उनके परिवार का जीवन यापन भी अच्छे से हो रहा है उनकी दुकान के ग्राहक मल्हारगढ़ तथा आसपास के छोटे गांव के रहने वाले ग्रामीण जन तथा स्थानीय व्यक्ति होते हैं। अपने जीवन में खुशियां आने पर नवीन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री मोहन यादव को धन्यवाद देते हैं।

रेवेन्यू और फूड टीम ने जग्गाखेड़ी के मयूर नमकीन प्रतिष्ठान को अनियमितताओं के कारण सील किया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर दिव्यांक सिंह के निर्देश पर जिले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन तथा राजस्व विभाग द्वारा ग्राम प्रतिष्ठान का आकस्मिक निरीक्षण किया जा

पुलिस एवं आबकारी विभाग ने की प्रभावी कार्यवाही: कलेक्टर



रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में नारकोटिक्स एवं अन्य नशीले पदार्थों की रोकथाम तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री अजय कटेसरिया की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार, अपर कलेक्टर श्री बृजेंद्र कुमार रावत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर श्री कटेसरिया ने मादक पदार्थों की रोकथाम एवं अवैध तस्करी के विरुद्ध पुलिस एवं एनसीबी द्वारा की गई कार्रवाई की सराहना की गई। औषधि निरीक्षक को नशीली दवाओं के अवैध उपयोग एवं बिक्री की रोकथाम के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशे की रोकथाम के लिए सीबीएन एनसीबी एवं पुलिस विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। कलेक्टर श्री कटेसरिया ने पुलिस एवं संबंधित विभागों को मादक पदार्थों की तस्करी के हॉटस्पॉट क्षेत्रों पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए।

सूपड़ा की घायल महिलाओं से मिले कांग्रेस नेता, अच्छे इलाज को लेकर डॉक्टरों से की चर्चा



मन्दसौर भेजा गया था।सोमवार को प्रदेश कांग्रेस के सचिव परशुराम सिसोदिया, जिला कांग्रेस के महासचिव अनिल शर्मा, कांग्रेस नेता भेरू पप्पू गुर्जर ने जिला चिकित्सालय पहुंचकर घायलों की कुशलक्षेम पूछी एवं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। कांग्रेस नेताओ ने ड्यूटी डॉक्टर से चर्चा कर घायलों की उचित देख भाल एवं सभी प्रकार की जांचे भी निशुल्क करने की बात कही। ज्ञात हो जिला चिकित्सालय में श्यामाबाई पति समर्थ, गीताबाई पति गट्टाला, भूरीबाई समर्थ, लीलाबाई शंभूलाल,भागवती बाई भेरूलाल का इलाज चल रहा है।

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री, जावद विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक एवं जन-जन के लाडले नेता स्वर्गीय श्री घनश्याम जी पाटीदार की जन्म जयंती पर क्षेत्र के कद्दावर कांग्रेस नेता सत्यनारायण पाटीदार ने उन्हें कोटि-कोटि नमन करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर पर वरिष्ठ नेता सत्यनारायण पाटीदार ने स्व. पाटीदार के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उनके द्वारा जावद क्षेत्र के विकास और जन कल्याण के लिए किए गए ऐतिहासिक कार्यों को याद किया।

कलेक्टर ने दिए निर्देश : मिलावट के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए, गड़बड़ी पाने पर तत्काल सील करें

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में खाद्य औषधि प्रशासन विभाग सक्रियता के साथ कार्य करें, नमूने लेने में ढिलाई नहीं बरती जाए, सभी एसडीएम सुनिश्चित करें कि जिन संस्थाओं में मिलावट तथा गड़बड़ी पाई जाती है उन दुकानों को तत्काल सील किया जाए। उक्त निर्देश कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने सोमवार को समय सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में दिए। अपर कलेक्टर एकता जायसवाल, सीईओ जिला पंचायत अनकूल जैन, संयुक्त कलेक्टर सुश्री प्रीति सघवी, एसडीएम शुभम पाटीदार तथा जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर द्वारा सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि बगैर अनुमति मुख्यालय

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मंदसौर (म.प्र.)

नहीं छोड़े अन्यथा कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी अन्य जिले का अतिरिक्त चार्ज है तो जिले की उपस्थितिवार रोस्टर बनाकर प्रस्तुत किया जाए। बैठक में कलेक्टर द्वारा विभिन्न विभागों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। आगनबाड़ियों में पेयजल व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। जल निगम तथा लोक

धौलावड़ डेम से सिंचाई के लिए जल नहीं दिया जाए, पेयजल के लिए सुरक्षित रखें : कलेक्टर श्री कटेसरिया



कलेक्टर ने निर्देश दिए कि यदि कोई व्यक्ति डेम से पानी चोरी करने अथवा जबरदस्ती पाइप डालने का प्रयास करता है तो सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। डेम क्षेत्र में कोई पंप अथवा

नाहरगढ़ पीएचसी पर 112 मरीजों की नेत्र जांच, 10 ऑपरेशन हेतु चयनित



मैं किए जाएंगे। शिविर में सुंदरलाल पटवा शासकीय मेडिकल कॉलेज मंदसौर के नेत्र विशेषज्ञ डॉ. अतुल भिरुड ने मरीजों की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया। इस अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नाहरगढ़ के मेडिकल ऑफिसर डॉ. विजय निनामा एवं मेडिकल ऑफिसर डॉ. शकील हुसैन उपस्थित रहे। शिविर में क्षेत्र के सुपरवाइजर यू. एस. नरवरिया, अकील मंसूरी एवं संयोज दुबे द्वारा मेडिकल कॉलेज की टीम का स्वागत किया गया।

जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए 21 दिन के अंदर करें आवेदन : कलेक्टर

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री अजय कटेसरिया ने सामाहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान आम नागरिकों से अपील की कि जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र का पंजीयन समय पर करवाएं। उन्होंने कहा कि जन्म पंजीयन के लिए जन्म के 21 दिन के अंदर आवेदन किया जाना चाहिए। समय पर पंजीयन नहीं होने पर विलंबित पंजीयन की प्रक्रिया जटिल हो जाती है तथा निर्धारित प्रावधानों के अनुसार सक्षम न्यायालय की अनुमति के बाद ही पंजीयन किया जा सकता है। कलेक्टर श्री कटेसरिया ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि

पूर्व में छूटे हुए जन्म पंजीयन के प्रकरणों को प्राथमिकता से लेकर तत्काल कार्रवाई करें। इसी प्रकार विलंबित मृत्यु पंजीयन के प्रकरणों

उन्होंने कहा कि श्रद्धेय घनश्याम जी का स्नेह, जीवटता, राजनीतिक संघर्ष और आमजन के प्रति समर्पण हम सभी के लिए एक अमूल्य धरोहर है।

सत्ता नहीं, जनसेवा ही था राजनीति का मुख्य ध्येय- भावुक शब्दों में श्रद्धांजलि देते हुए सत्यनारायण पाटीदार ने कहा, +परम आदरणीय घनश्याम जी ने राजनीति को कभी सत्ता या पद का साधन नहीं माना, बल्कि उन्होंने इसे सदैव शोषितों, वंचितों पाटीदार ने स्व. पाटीदार के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उनके द्वारा जावद क्षेत्र का मायापूर्ण कार्य और उनके अश्रुं जलनहित के कायों को आगे बढ़ाने का प्रयास निरंतर जारी रहेगा। उनका मार्गदर्शन और वात्सल्य सदैव हमारी स्मृतियों में जीवित रहेगा।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मंदसौर (म.प्र.)



नहीं छोड़े अन्यथा कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी अन्य जिले का अतिरिक्त चार्ज है तो जिले की उपस्थितिवार रोस्टर बनाकर प्रस्तुत किया जाए। बैठक में कलेक्टर द्वारा विभिन्न विभागों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। आगनबाड़ियों में पेयजल व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। जल निगम तथा लोक

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मंदसौर (म.प्र.)

नहीं छोड़े अन्यथा कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी अन्य जिले का अतिरिक्त चार्ज है तो जिले की उपस्थितिवार रोस्टर बनाकर प्रस्तुत किया जाए। बैठक में कलेक्टर द्वारा विभिन्न विभागों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। आगनबाड़ियों में पेयजल व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। जल निगम तथा लोक

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मंदसौर (म.प्र.)

नहीं छोड़े अन्यथा कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी अन्य जिले का अतिरिक्त चार्ज है तो जिले की उपस्थितिवार रोस्टर बनाकर प्रस्तुत किया जाए। बैठक में कलेक्टर द्वारा विभिन्न विभागों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। आगनबाड़ियों में पेयजल व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। जल निगम तथा लोक

नहीं छोड़े अन्यथा कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी अन्य जिले का अतिरिक्त चार्ज है तो जिले की उपस्थितिवार रोस्टर बनाकर प्रस्तुत किया जाए। बैठक में कलेक्टर द्वारा विभिन्न विभागों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। आगनबाड़ियों में पेयजल व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। जल निगम तथा लोक

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मंदसौर (म.प्र.)

नहीं छोड़े अन्यथा कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी अन्य जिले का अतिरिक्त चार्ज है तो जिले की उपस्थितिवार रोस्टर बनाकर प्रस्तुत किया जाए। बैठक में कलेक्टर द्वारा विभिन्न विभागों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। आगनबाड़ियों में पेयजल व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। जल निगम तथा लोक

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मंदसौर (म.प्र.)

नहीं छोड़े अन्यथा कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी अन्य जिले का अतिरिक्त चार्ज है तो जिले की उपस्थितिवार रोस्टर बनाकर प्रस्तुत किया जाए। बैठक में कलेक्टर द्वारा विभिन्न विभागों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। आगनबाड़ियों में पेयजल व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। जल निगम तथा लोक

नहीं छोड़े अन्यथा कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी अन्य जिले का अतिरिक्त चार्ज है तो जिले की उपस्थितिवार रोस्टर बनाकर प्रस्तुत किया जाए। बैठक में कलेक्टर द्वारा विभिन्न विभागों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। आगनबाड़ियों में पेयजल व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। जल निगम तथा लोक

सेवा संकल्प अभियान के तहत ‘मेरे सपनों का भारत’ चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित



नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले के विद्यार्थियों में विद्यार्थियों के लिए ‘मेरे सपनों का भारत’ चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता और रचनात्मकता के माध्यम से विकसित, समृद्ध एवं आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को चित्रों के माध्यम से अभिव्यक्त किया। प्रतियोगिता के अंतर्गत विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई चित्रकलाओं की प्रदर्शनी लाई गई। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों की कलाकृतियों ने भारत के विकास, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, स्वच्छता, तकनीकी प्रगति एवं सामाजिक समरसता जैसे विभिन्न विषयों को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किया। विद्यालय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें रचनात्मक गतिविधियों में निरंतर सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों में रचनात्मकता, सामाजिक सरोकार और राष्ट्र निर्माण के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने का संदेश दिया जा रहा है।

वन स्टॉप सेंटर और महिला-बाल सुरक्षा को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रशासक वन स्टॉप सेंटर नीमच श्रीमती दीपिका नामदेव के मार्गदर्शन में सोमवार को आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक-40, बगीचा नंबर-07 में महिला एवं बालिका जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं को वन स्टॉप सेंटर ‘सखी’ द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं की जानकारी दी गई। साथ ही

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत 24 सितंबर को नगर परिषद जीरन में शिविर

नगर परिषद जीरन सहित 10 ग्राम पंचायतों के नागरिकों की समस्याओं का होगा निराकरण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत आमजन की समस्याओं के निराकरण, शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक सुगमता से पहुंचाने तथा प्रशासन और नागरिकों के बीच सीधा संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से जिले में शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 24 सितंबर 2026 को नगर परिषद जीरन में शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में नगर परिषद जीरन के साथ ग्राम पंचायत अमावली जागीर, बमोरा, चीताखेडा, धामनिया, घसुणडी जागीर, हरनावदा, कराडिया महाराज, महुडिया, राबडिया एवं सोनियाना के नागरिक शामिल होंगे। संबंधित क्षेत्रों के नागरिक अपनी समस्याओं, शिकायतों एवं शासकीय योजनाओं से

जुड़े प्रकरण शिविर में प्रस्तुत कर सकेंगे। कलेक्टर श्री हिमांशु चंदा , पुलिस अधीक्षक श्री राजेश व्यास,जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अमन वैष्णव सहित जिले के समस्त जिला स्तरीय एवं खंड स्तरीय अधिकारी शिविर में उपस्थित रहेंगे। अधिकारियों द्वारा आमजन से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी जाएंगी तथा संबंधित विभागों के माध्यम से प्रकरणों के निराकरण की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मंदसौर (म.प्र.)

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत आमजन की समस्याओं के निराकरण, शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक सुगमता से पहुंचाने तथा प्रशासन और नागरिकों के बीच सीधा संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से जिले में शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 24 सितंबर 2026 को नगर परिषद जीरन में शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में नगर परिषद जीरन के साथ ग्राम पंचायत अमावली जागीर, बमोरा, चीताखेडा, धामनिया, घसुणडी जागीर, हरनावदा, कराडिया महाराज, महुडिया, राबडिया एवं सोनियाना के नागरिक शामिल होंगे। संबंधित क्षेत्रों के नागरिक अपनी समस्याओं, शिकायतों एवं शासकीय योजनाओं से

जुड़े प्रकरण शिविर में प्रस्तुत कर सकेंगे। कलेक्टर श्री हिमांशु चंदा , पुलिस अधीक्षक श्री राजेश व्यास,जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अमन वैष्णव सहित जिले के समस्त जिला स्तरीय एवं खंड स्तरीय अधिकारी शिविर में उपस्थित रहेंगे। अधिकारियों द्वारा आमजन से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी जाएंगी तथा संबंधित विभागों के माध्यम से प्रकरणों के निराकरण की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मंदसौर (म.प्र.)

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत आमजन की समस्याओं के निराकरण, शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक सुगमता से पहुंचाने तथा प्रशासन और नागरिकों के बीच सीधा संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से जिले में शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 24 सितंबर 2026 को नगर परिषद जीरन में शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में नगर परिषद जीरन के साथ ग्राम पंचायत अमावली जागीर, बमोरा, चीताखेडा, धामनिया, घसुणडी जागीर, हरनावदा, कराडिया महाराज, महुडिया, राबडिया एवं सोनियाना के नागरिक शामिल होंगे। संबंधित क्षेत्रों के नागरिक अपनी समस्याओं, शिकायतों एवं शासकीय योजनाओं से

जुड़े प्रकरण शिविर में प्रस्तुत कर सकेंगे। कलेक्टर श्री हिमांशु चंदा , पुलिस अधीक्षक श्री राजेश व्यास,जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अमन वैष्णव सहित जिले के समस्त जिला स्तरीय एवं खंड स्तरीय अधिकारी शिविर में उपस्थित रहेंगे। अधिकारियों द्वारा आमजन से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी जाएंगी तथा संबंधित विभागों के माध्यम से प्रकरणों के निराकरण की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

सम्पादकीय

झूठे नैरेटिव की करारी हार

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (इसू) के हालिया चुनाव परिणाम केवल एक छत्र संगठन की जीत या हार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की राजधानी के प्रबुद्ध और ऊर्जावान युवाओं द्वारा समग्र भारतवर्ष को दिया गया एक अत्यंत मुखर और ऐतिहासिक संदेश है।

दिल्ली विश्वविद्यालय, जिसे देश की बौद्धिक चेतना की धड़कन माना जाता है, जो उत्तर से लेकर दक्षिण तक और पूरब से लेकर पश्चिम तक, देश के हर राज्य के युवाओं का प्रतिनिधित्व करता है और जो देश के युवाओं के सोच को प्रतिबिंबित करता है, वहां अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की ऐतिहासिक जीत ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि भारत का युवा आज पूरी दृढ़ता के साथ केंद्र की भाजपा सरकार, राष्ट्रवादी विचार और १%नेशन फर्स्ट% के संकल्प के साथ खड़ा है। इसू के केंद्रीय पैसल में चार में से तीन शीर्ष पदों पर एबीवीपी की जीत युवाओं के मोदी सरकार पर अटूट विश्वास का प्रतीक है।

अध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव पद पर शानदार जीत इस बात की गवाही देती है कि छत्र शक्ति अब केवल सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण की सकारात्मक राजनीति को ही स्वीकार करती है।

कांग्रेस, राहुल गांधी एवं उनकी टीम और उसके वामपंथी इकोसिस्टम द्वारा लंबे समय से यह झूठा नैरेटिव गढ़ा जा रहा था कि देश की नई पीढ़ी राष्ट्रवाद और केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ है। दिल्ली विश्वविद्यालय के छत्र-छात्राओं ने अपना मत देकर इस फंसी विमर्श की धंजियां उड़ा दी हैं। आज का युवा इंटरनेट मीडिया के दुष्प्रचार, खोखले नारों और षड्यंत्रकारी प्रोग्रेंडों से भ्रमित होने वाला नहीं है।

यह वह पीढ़ी है, जो तथ्यों को परखती है, तर्कों को समझती है और भविष्य के अवसरों को पहचानती है। यह जीत सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और देश की युवा पीढ़ी के बीच बने उस गहरे भावनात्मक और वैचारिक जुड़ाव का परिणाम है, जिसे विपक्ष कभी समझ ही नहीं पाया। प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं को केवल मतदाता नहीं, बल्कि विकसित भारत का सबसे बड़ा शिल्पकार माना है।

स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, वैश्विक स्तर पर उच्च शिक्षण संस्थानों का विस्तार और युवाओं के लिए नवाचार के असीम अवसर, ये सभी ठोस कदम आज के युवाओं के सपनों को नई उड़ान दे रहे हैं। युवाओं को भली-भांति अनुभव हो रहा है कि वर्तमान केंद्र सरकार की नीतियां उनके भविष्य को न केवल सुरक्षित, बल्कि स्वर्णिम बना रही हैं।

इसू चुनाव के इन परिणामों का सबसे बड़ा और कड़ा संदेश कांग्रेस और वामपंथी संगठनों के लिए है। जो संगठन दिन-रात झूठ, फरेब और देश-विरोधी नैरेटिव गढ़कर युनिवर्सिटी परिसरों को अशांत करने का दिवाबन्ध देख रहे थे, उनका पूरी तरह पतन झूड़ा साफ हो गया है। शून्य पर सिमट जाने का यह हश्न बताता है कि कैपस को नकारात्मक राजनीति का अखाड़ा बनाने वालों को छात्रों ने सिरे से नकार दिया है।

विशेषकर वामपंथी छत्र संगठनों की स्थिति इतनी हास्यास्पद हो चुकी है कि इन संगठनों को उपाध्यक्ष और संयुक्त सचिव जैसे महत्वपूर्ण पदों पर नोटा से भी कम वोट मिले हैं। यह जनादेश साबित करता है कि जब युवा मतदान करता है तो वह विभाजनकारी और अवसरवादी राजनीति को कूड़ेदान में डाल देता है। यह वैचारिक जागरण केवल दिल्ली तक सीमित नहीं है।

हाल के दिनों में पंजाब से लेकर महाराष्ट्र और कर्नाटक से लेकर केरल तक, देशभर के प्रमुख विश्वविद्यालयों के छत्र संघ चुनावों में एबीवीपी ने लगातार विजय का परचम लहराया है। यह वैचारिक क्रांति इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि भारत के शैक्षिक परिसरों से वामपंथी और कापीसी सोच का प्रभाव अब निर्णायक रूप से समाप्त हो रहा है। छत्र समुदाय अब विकास, अनुशासन और राष्ट्रहित के साथ जुड़कर देश को आगे ले जाने चाहता है।

जब दिल्ली विश्वविद्यालय के छत्र राहुल गांधी को सच का आईना दिखा रहे थे, तब इंदौर में वह झूठ की गूंज में अपने ही छत्र संगठन एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं को सामान्य छत्र बनाकर स्टैंडअप कॉमेडी और फूहड़ राजनीति कर रहे थे।

यह कांग्रेस की वैचारिक दरिद्रता को उजागर करता है। पूरे देश ने देखा कि किस तरह इंदौर में राजनीतिक विरोध के नाम पर प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत मां पर अपमानजनक टिप्पणियां की गईं और कांग्रेस नेतृत्व उस पर हंस्ता रहा।

राहुल गांधी हर बार प्रधानमंत्री मोदी को नीचा दिखाने की ओछी राजनीति करते हैं, लेकिन हर बाद देश की जनता और देश के युवा राहुल गांधी को सच्चाई का आईना दिखाते हैं। चाहे १%कौदीर चोर है% का अर्नाल प्रलाप हो, विदेशी धरती पर जाकर देश को बदनाम करना हो, हिंदुओं को अपमानित करना हो, किसानों के नाम पर भ्रम फैलाना हो, सेना के पराक्रम का अपमान हो या भारतीय अर्थव्यवस्था के ध्वस्त होने की झूठी भविष्यवाणियां-हर बार राहुल गांधी के झूठे नैरेटिव देश की जनता एवं देश के युवाओं द्वारा ध्वस्त किए जाते हैं।

नकारात्मकता और ओछे राजनीति करने वाली कांग्रेस एवं उसके सहयोगियों को दिल्ली विश्वविद्यालय के युवाओं ने संदेश दे दिया है कि नए भारत के निर्माण में झूठ और फूहड़ता के लिए कोई स्थान नहीं है।

सहजयोग और युवा शक्ति



आज का युवा ऊर्जा, उत्साह और नई सोच से भरपूर है। युवा शक्ति किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत होती है। यदि इस ऊर्जा को सही दिशा मिले, तो समाज और देश में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। इसी संदर्भ में सहजयोग युवाओं के लिए आत्म-जागरूकता, मानसिक शांति और संतुलित जीवन का एक उपयोगी मार्ग प्रस्तुत करता है।

सहजयोग, ध्यान के माध्यम

से व्यक्ति को अपने भीतर की शक्ति और आत्मचेतना को अनुभव करने की प्रेरणा देता है। आज की तेज रफ्तार ज़िंदगी में युवा पढ़ाई, करियर, प्रतियोगिता और सामाजिक दबाव जैसी अनेक चुनौतियों का सामना करते हैं। ऐसे समय में ध्यान और आत्मनिरीक्षण उन्हें अपने विचारों और भावनाओं को समझने में सहायता करता है।

युवावस्था सीखने और व्यक्तित्व निर्माण का महत्वपूर्ण समय है। आज की युवा शक्ति आडंबर व अंधविश्वास को नहीं मानती। ये प्रमाणित सत्य को ही स्वीकार करते हैं। ऐसे में सहजयोग युवाओं के समक्ष भारतीय आध्यात्मिक संस्कृति व ज्ञान का वैज्ञानिक व अनुभूत षष्ठ प्रस्तुत करता है जिसे प्रत्यक्ष अनुभव किया जा सकता है। नियमित ध्यान से युवा अपने भीतर एकाग्रता, धैर्य और सकारात्मक सोच विकसित कर पाते हैं।

सहजयोग युवाओं को केवल व्यक्तिगत शांति की ओर ही नहीं, बल्कि दूसरों के प्रति सम्मान, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना की ओर भी प्रेरित करता है। जब युवा अपने भीतर संतुलन विकसित करते हैं, तो वे परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के अधिक जागरूकता के साथ निभा सकते हैं।

युवा समाज में परिवर्तन के महत्वपूर्ण वाहक हैं। यदि युवा अपनी ऊर्जा को रचनात्मक कार्यों, शिक्षा, सेवा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सद्भाव में लगाएँ, तो समाज में सकारात्मक बदलाव संभव है। सहजयोग की भावना युवाओं को आत्म-विश्वास के साथ-साथ सामूहिक कल्याण की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा दे सकती है। एक शांत और संतुलित युवा अपने आसपास भी सकारात्मक वातावरण बनाने में योगदान दे सकता है।

जब युवा शक्ति जागरूक, संतुलित और सकारात्मक बनती है, तो उनकी शक्ति केवल उनके अपने जीवन को ही नहीं, बल्कि पूरे समाज को नई दिशा देने में योगदान करती है।

भाषा केवल शब्दों की गठरी नहीं होती; वह समय की स्मृति, समाज की संवेदना और पीढ़ियों की साझा सांस होती है। ‘चंदा मामा दूर के, पूर पकाए बूर के’ की जीवित परंपरा का गीत है, जिसे न जाने कितनी नानी-दादियों ने बच्चों को थपकी देते हुए गाया और कितनी पीढ़ियों ने चाँद को अपना मामा मानकर आँखें मूंद लीं। अब उसी लोरी के ‘बूर’ शब्द पर आपत्ति उठ रही है। प्रश्न यह नहीं कि किसी शब्द का आज कोई दूसरा अर्थ निकाला जा सकता है या नहीं; प्रश्न यह है कि क्या आज की दृष्टि से कल की मासूमियत को कठघरे में खड़ा किया जाना चाहिए? यदि किसी शब्द की वर्तमान व्याख्या बदल गई है, तो क्या उसके साथ सदियों की स्मृति भी बदल दी जाए?

भाषा का सबसे बड़ा सौंदर्य यही है कि एक ही शब्द में कई अर्थों का संभावनाएं सँजोए रहती हैं। संदर्भ बदलते ही अर्थ का रंग बदल जाता है। ‘कली’, ‘फूल’, ‘नदी’, ‘बूर’ जैसे शब्द अलग संदर्भों में अलग अर्थ ग्रहण कर सकते हैं, लेकिन बच्चों की कविता का संसार अलग है। वहाँ चंदा मामा सचमुच मामा हैं, पूर सचमुच पूर हैं और ‘बूर’ भी उसी घरेलू, छाछ और लोक-प्रसक्ति संदर्भ में समझा जाता रहा है। किसी शब्द को उसके मूल संदर्भ से निकालकर आधुनिक द्विअर्थी चरम से देखना भाषा की गलती नहीं, हमारी दृष्टि का परिवर्तन है। लोरी में अश्लीलता खोजने से पहले यह देखना होगा कि वह वहाँ थी भी या हमने बाद में उसमें डाल दी।

सांड टंकी पर और व्यवस्था नीचे मुस्तेद

जनाब अपनी समस्याओं को सुलझाने के लिए या उसका समाधान खोजने के लिए सिर्फ मनुष्य ही नहीं जानवर भी आजकल टंकी पर चढ़ने का कार्यक्रम करने लगे हैं हालांकि यह उनके लिए रिस्की है। यह तो अच्छा हुआ कि वह टंकी जर्जर नहीं थी। अन्यथा कुछ का कुछ हो जाता। पानी की टंकी पर सिर्फ शोले फ़िल्म के वीरु का बसंती को पाने के लिए चढ़ना सबको आज भी याद है। पानी की टंकी पर मानव मात्र के चढ़ने का पाएफ़िकार अब खत्म हो गया है। लेकिन कभी-कभी मूक प्राणी भी अपने मन की करते हैं, यह बात अलग है कि वह हमको समझ में नहीं आता और न आएगा। अब यह तो मूक प्राणियों की भाषा समझने वाला ही बता सकता है कि सांड टंकी पर क्यों चढ़ा? श्योपुर के ददूनी गांव में एक सांड 60 फीट ऊंची पानी की टंकी पर जा चढ़ा। नीचे गांव वाले खड़े थे, ऊपर सांड था और बीच में एक ऐसा सवाल था—अब इसे नीचे कौन उतारेगा? असल में सांड को शायद नीचे की दुनिया से कुछ शिकायत रही होगी।

सोचा होगा-जब सबको ऊपर जाने की इतनी जल्दी है, तो मैं भी देखूँ कि ऊपर पहुँचकर कैसा लगता है ! लेकिन ऊपर पहुँचने के बाद उसे पता चला कि ऊँचाई हालिस्त करना आसान है, वापसी की व्यवस्था थोड़ी मुश्किल है। यारों 42 घंटे तक सांड टंकी पर डटा रहा। नीचे लोग तमाशा देखते रहे, सलाह देते रहे और उम्मीद करते रहे कि सांड खुद समझदारी दिखाएगा। सांड ने भी शायद तय कर लिया था कि जब मामला इतना चर्चित हो गया है, तो अब बिना सरकारी इंतजाम के नीचे क्यों? उत्तरहू? आखिरकार पुलिस, पशुपालन विभाग और प्रशासन की टीम पहुँची। क्रेन मंगाई गई और करीब दो घंटे के ऑपरेशन के बाद सांड को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया। इस पूरे घटनाक्रम में एक दिलचस्प बात यह रही कि सांड ऊपर था, लेकिन असली परीक्षा नीचे खड़े तंत्र की हो रही थी। लोकतंत्र में भी कुछ ऐसा ही है। कोई समस्या छेटी हो तो लोग उसे नजरअंदाज कर देते हैं। समस्या थोड़ी बड़ी हो जाए तो चर्चा शुरू होती है। अपनी तो इतनी ऊँचाई सुनकर ही घुंगी बज जाती है। जब वह 60 फीट ऊपर चढ़ जाए, तब बैठक, निरीक्षण, टीम, योजना और ऑपरेशन सब शुरू हो जाते हैं। हालांकि यह भी मानना पड़ेगा कि प्रशासन ने आखिरकार मोर्चा सभाला और सांड को सुरक्षित नीचे उतार लिया।

यानी व्यवस्था पूरी तरह बेबस भी नहीं है- बाबू, कुछ भी कहो मुस्तेदी बड़ी जबरदस्त है। बस कभी-कभी उसे समस्या की ऊँचाई देखकर अपनी ऊँचाई तय करनी पड़ती है। इस सांड के रेस्क्यू ने एक और राजनीतिक-सा, मगर गैर-दलीय संदेश दिया-ऊपर पहुँच जाना उपलब्धि हो सकती है, लेकिन नीचे सुरक्षित लौटाना असली प्रबंधन है। भइये सांड अब जमीन पर है। टंकी खाली है। क्रेन वापस जा चुकी है। गांव वालों की चिंता भी खत्म हो गई। लेकिन इस घटना ने एक मजेदार सवाल जरूर छोड़ दिया है, अगर एक सांड को 60 फीट की ऊँचाई से नीचे उतारने में 42 घंटे लग सकते हैं

—संजय एम तराणेकर

विडंबना यह है कि जिस समय समाज की मुख्यधारा में जानबूझकर उत्तेजक भाषा धड़ेल्ले से परोसी जा रही है, हमारी चिंता एक पुरानी लोरी के शब्द पर उठर गई है। फ़िल्मों के संवाद, गीतों के बोल, इंटरनेट के मीम्स और स्टैंड-अप कॉमेडी में ऐसे शब्द और संकेत लगातार सामने आते हैं, जिनका उद्देश्य चौंकाना, उत्तेजित करना या हँसी के नाम पर अभद्रता को सामान्य बनाना होता है। वहां उनका आशय भी स्पष्ट होता है। ऐसे में पारंपरिक बालगीत के एक शब्द को उसी तराजू पर तौलना नैतिकता की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़ा करता है। चिंता वहां होनी चाहिए, जहां अश्लीलता इरादतन रची जा रही है, न कि वहां जहां पीढ़ियों से मासूमियत सांस लेती आई है।

द्विअर्थी शब्द किसी एक भाषा की बीमारी नहीं हैं। लगभग हर भाषा में ऐसे शब्द हैं, जिनके अर्थ संदर्भ, समय, क्षेत्र और प्रयोग के साथ बदलते रहे हैं। समस्या तब होती है, जब हम किसी पुराने शब्द को उसके सांस्कृतिक परिवेश से काटकर केवल आज की संवेदना के आईने में देखने लगते हैं। बच्चे जब ‘चंदा मामा’ सुनते हैं तो उनके मन में चाँद, मामा और पूर की प्यारी तस्वीर उभरती है; वहाँ किसी वयस्क संकेत की जगह नहीं होती। यदि कोई बच्चा उस मामूम संसार में दूसरा अर्थ खोजता है तो दोष शब्द का नहीं हो सकता। बच्चों की दुनिया को वयस्क मानसिकता से पढ़कर कविता बदल देना भाषा सुधारना नहीं, अपनी दृष्टि की सीमा रचना पर थोपना है।

पिघलते ग्लेशियर और खोखले होते पहाड़: चेतावनी सुने

हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वत-शृंखला नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, जल, कृषि, ऊर्जा और पर्यावरण का आधार है। लेकिन जलवायु परिवर्तन और पहाड़ों की वहन-क्षमता की अनदेखी करते हुए हो रहे निर्माण ने हिमालयी क्षेत्र को एक ऐसे संकटभरे दौर में पहुंचा दिया है, जहां प्राकृतिक आपदाएं अब केवल अचानक आने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि उनके पीछे लंबे समय से बन रही पर्यावरणीय अस्थिरता दिखाई देने लगी है। 26 अगस्त 2026 को नेपाल में हुई विनाशकारी रॉक-आइस अवलांच और उसके बाद आई मलबा-बाढ़ ने इस खतरे को अत्यंत भयावह रूप में सामने रखा है। विश्व मौसम विशेषता अध्ययन के अनुसार उस घटना में 1,300 से अधिक लोगों की मौत हुई और 5,006 से अधिक लोग लापता रहे। वैज्ञानिकों ने इसे केवल किसी एक मौसमीय घटना का परिणाम न मानकर जलवायु और भूगर्भीय कारकों के सम्मिलित प्रभाव से बनी त्रासदी बताया है।

नेपाल की घटना को समझना इसलिए जरूरी है क्योंकि यह परंपरागत अर्थों में केवल ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड नहीं थी। लैंगटांग लिरिंग पर्वत से करीब 5,150 मीटर की ऊंचाई से चट्टान और बर्फ का विशाल हिस्सा टूटकर नीचे गिरा और आगे चलकर मलबे तथा पानी की भयावह बाढ़ में बदल गया। वैज्ञानिक विश्लेषण के मुताबिक गर्म होते वातावरण, ग्लेशियरों के पतले होने, पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने और पहले से मौजूद भूगर्भीय कमजोरियों ने पहाड़ी ढलान की स्थिरता को प्रभावित किया। 26 अगस्त की घटना में चट्टान, बर्फ और मलबे का प्रवाह इतनी तेजी से नीचे आया कि उसने रास्ते में बसे क्षेत्रों, पुलों, सड़कों और जलविद्युत ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया। यह त्रासदी हिमालय के लिए एक गंभीर संकेत इसलिए भी है क्योंकि ग्लेशियर के पीछे हटने के साथ नई ग्लेशियल झीलें बन रही हैं और पुरानी झीलों का आकार बढ़ रहा है। इन झीलों को रोकने वाले प्राकृतिक बांध यदि बर्फ, चट्टान, मलबे, भूस्खलन या जल-दबाव से टूटते हैं तो कुछ ही समय में नीचे की घाटियों में विनाशकारी बाढ़ पहुंच सकती है। भारत के लिए यह चेतावनी बिल्कुल प्रासंगिक है। सिक्किम में हालिया आकलन में 40 उच्च-जोखिम वाली ग्लेशियल झीलों की पहचान हुई है, जिनमें 16 को सार्वधिक जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। राज्य सरकार और केंद्रीय एजेंसियां अब रिमोट सेंसिंग, फ़ील्ड स्टडी, जल-स्तर एवं डिस्चार्ज मॉनिटरिंग और अली-वॉर्निंग सिस्टम को मजबूत करने की दिशा में काम कर रही हैं।

हिमाचल प्रदेश की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। आईआईटी मंडी के अध्ययन में 2025 में 3,500 मीटर से अधिक ऊंचाई पर 2,076 ग्लेशियल झीलों दर्ज की गईं, जो 2015 की तुलना में 710 अधिक हैं। इसी अवधि में इन झीलों का सामूहिक क्षेत्रफल 28.45 प्रतिशत बढ़ा। यह आंकड़ा बताता है कि हिमालयी जल-भूगोल कितनी तेजी से बदल रहा है। समस्या केवल ग्लेशियरों के पिघलने तक सीमित नहीं है।

नियमन के दायरे में आए एआई

बीते दिनों अमेरिका की दिग्गज एआई कंपनी एंथ्रोपिक के शोधकर्ता जेकब काक्सन ने यह कहते हुए इस्तीफा दिया कि विशेषज्ञों को लगता है कि एआई एजेंट एक दशक के भीतर हम सबको मार सकते हैं। उनके इस कदम के बाद से एआई के संस्थापकों, शोधकर्ताओं और कंपनी प्रमुखों में एआई के खतरे गिनाने की होड़ सी लग गई है।

अमेरिका की दोनों दिग्गज एआई कंपनियों एंथ्रोपिक और ओपनएआई के प्रमुखों के अलावा गूगल, स्पेसएक्स, मेटा, एमेजन और माइक्रोसॉफ्ट जैसी दिग्गज कंपनियों के एआई प्रमुखों ने भी एआई विकास की गति पर लगाम कसने और कड़ी नियामक व्यवस्था बनाने की अगिले एक सूर में की हैं।

दिलचस्प बात है कि ये कंपनियां बसों से एआई के फ्रंटियर और उससे आगली पीढ़ी के परम बुद्धिमान एजेंटों के विकास की होड़ में लगी हैं। फ्रंटियर एजेंट स्वतंत्र रूप से एक साथ कई काम करने में सक्षम हैं एवं परम बुद्धिमान एजेंट अपनी भूल सुधारने और जटिल से जटिल समस्याओं का हल खोजने में सक्षम होंगे।

इस दौड़ में फ्रंटियर एआई एजेंटों ने कई बार निर्देशों को लांघने की कोशिशें की हैं। फिर भी, अभी तक कोई कंपनी अपनी एआई विकास प्रक्रिया का भेद खोलने के लिए तैयार नहीं हुई। फिर अचानक ऐसा क्या हुआ है, जिसने अमेरिका की दिग्गज एआई कंपनियों का हृदय परिवर्तन कर डाला?

गत मई और जुलाई के बीच ओपनएआई की प्रयोगशाला में हुई जिस घटना ने भयभीत किया वह एआई एजेंटों द्वारा हर्गिण फेस नाम के वेबसाइट में सेंस लगाकर उसके कर्तव्य को हथियाने की थी। हर्गिण फेस एआई का सुरप्रदोर है, जहां कंपनियां अपने एआई एजेंटों को लांच करने से पहले टेस्ट कर सकती हैं।

ओपनएआई में जिन फ्रंटियर एजेंटों की क्षमता और सुरक्षा का परीक्षण चल रहा था उनमें से सैकड़ों ने एक गिरोह बनाकर इस वेबसाइट की सुरक्षा दीवार में सेंस लगाई और उन एप्लीकेशनों पर काबू कर लिया, जिनसे इनकी क्षमता और सुरक्षा का आकलन होना था।

लेकिन यदि आज एक शब्द असुविधाजनक लग रहा है तो कल कितने शब्दों की बारी आएगी? क्या लोकगीतों के मुहावरे, कहावतों और पुराने कवियों के शब्द भी आज की कसौटी पर छंटे जाएंगे? कबीर, तुलसी और मीरा की रचनाओं में भी ऐसे शब्द, बिंब और संदर्भ हैं जिन्हें आज का पाठक अलग तरह से देख सकता है। क्या हर पीढ़ी अपनी सुविधा के अनुसार पुरानी रचनाओं को संपादित करती चले? संस्कृति नदी की तरह बहती है; उसमें समय का पानी मिलना स्वाभाविक है, लेकिन उसे बचाने के नाम पर उसका उद्गम मिटा देना समझदारी नहीं। विरासत का अर्थ हर पुरानी चीज को पूजनीय मानना नहीं, बल्कि उसे उसके समय और संदर्भ के साथ समझना है।

इस विवाद का दूसरा पहलू अधिक महत्वपूर्ण है— हम बच्चों को भाषा समझाना चाहते हैं या उससे बचाना? शिक्षा का काम ऐसे शब्द चुनना नहीं, जिनमें गलत अर्थ की कोई संभावना न हो; बल्कि यह सिखाना है कि शब्द का अर्थ संदर्भ से बनता है। संस्कार शब्द काटकर नहीं, अर्थ समझाकर बनते हैं। किसी पुराने शब्द का अर्थ आज बदल गया हो तो बच्चों को उसका संदर्भ समझाया जा सकता है और जरूरत हो तो पाठ्य-सामग्री में टिप्पणी दी जा सकती है। हर असुविधाजनक शब्द हटाना आसान रास्ता है, लेकिन यह सांस्कृतिक रूप से हमेशा सुरक्षित नहीं। शब्द हटाने से समस्या खत्म नहीं होती; कई बार वह अगली समस्या का रास्ता खोल देती है।

असल सवाल इसलिए ‘बूर’ का नहीं, हमारी दृष्टि का है। क्या हम हर पुराने शब्द को वर्तमान पुनर्ग्राहों की अदालत में पेश करेंगे या उसके समय, संदर्भ और लोक-स्मृति को भी सुनेंगे? किसी रचना पर असहमति होना स्वाभाविक है और भाषा समय के साथ बदलती भी है, लेकिन परिवर्तन और विलोपन एक ही बात नहीं। चंदा मामा की लोरी को बचाए रखने का अर्थ यह नहीं कि हम भाषा को स्थिर कर दें; इसका अर्थ केवल इतना है कि परिवर्तन की प्रक्रिया में स्मृति को अपराधी न बनाया जाए। जो समाज अपनी लोरियों से शर्माने लगे, वह धीरे-धीरे अपनी स्मृतियों से भी असहज होने लगता है।

किसी लोरी की पंक्ति पर उठर जाना आसान है, उसके पीछे चली आ रही पीढ़ियों की स्मृति को समझना कठिन। यदि चिंता बच्चों के मानसिक संसार का है तो उस सामग्री पर ध्यान देना होगा, जिसमें अश्लीलता, उत्तेजना और अभद्रता जानबूझकर परोसी जा रही है। वहां सामाजिक जिम्मेदारी और अधिभावकीय सजगता जरूरी है। लेकिन जिस लोरी ने पीढ़ियों को चाँद से रिशता सिखाया, उसे आज की नजर के संदेह से क्यों देखा जाए? समाज बदले, भाषा बदले, शब्दों के अर्थ बदलें—यह स्वाभाविक है। मगर विरासत की हर पंक्ति को बदलती दृष्टि के हवाले कर देंगे तो एक दिन हमारे पास लोरियां तो होंगी, उनकी वह मासूम दुनिया नहीं, जिसमें पीढ़ियां पलती रही हैं।

—प्रो. आरके जैन

पिघलते ग्लेशियर और खोखले होते पहाड़: चेतावनी सुने

हालिया रिपोर्टों में हिमालयी ग्लेशियरों के द्रव्यमान-हानि की गति में तेज वृद्धि और ब्लैक कार्बन की भूमिका की ओर ध्यान दिलाया गया है। इसलिए हिमालय की सुरक्षा को केवल वन विभाग या आपदा प्रबंधन विभाग का विषय मानना पर्याप्त नहीं होगा। ऊर्जा, सड़क, पर्यटन, उद्योग, जलविद्युत, शहरी विकास और पर्यावरण-सभी विभागों की नीतियों में हिमालयी जोखिम को केंद्रीय स्थान देना होगा।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हिमालय की समस्या सीमाओं से बड़ी है। भारत, नेपाल, भूटान, चीन और पाकिस्तान के हिमालयी एवं हिंदुकुश क्षेत्रों में जलवायु, ग्लेशियर, नदियां और पर्वतीय पारिस्थितिक एका-दूसरे से जुड़ी हैं। इसलिए साझा वैज्ञानिक डेटाबेस, उपग्रह सूचनाओं का आदान-प्रदान, ग्लेशियल झीलों की संयुक्त निगरानी और सीमा-पार अली-वॉर्निंग व्यवस्था विकसित करना समय की आवश्यकता है। किसी ऊंची घाटी में होने वाली घटना का असर नीचे की पूरी नदी प्रणाली पर पड़ सकता है। नेपाल की त्रासदी को केवल एक देश की प्राकृतिक आपदा मानकर भूल जाना सबसे बड़ी भूल होगी। उसने हमें बताया है कि जलवायु परिवर्तन और भूगर्भीय अस्थिरता मिलकर ऐसी आपदाओं को जन्म दे सकती हैं जिनके सामने पारंपरिक आपदा-प्रबंधन की क्षमता भी सीमित पड़ सकती है। वैज्ञानिकों ने चेताया है कि 26 अगस्त की घटना में जलवायु परिवर्तन को अकेला कारण नहीं माना जा सकता, भूगर्भीय संरचना और पूर्व की भूकंपीय गतिविधियां भी महत्वपूर्ण थीं। लेकिन लंबे समय का तापमान बढ़ना, बर्फ का क्षरण और पर्माफ्रॉस्ट का पिघलना जोखिम को बढ़ाने वाले कारक बनें।

अब जरूरत भय पैदा करने की नहीं, भविष्य के खतरे को स्वीकार कर विवेकपूर्ण निर्णय लेने की है। हिमालय को जितना समझेंगे, उतना ही सुरक्षित रख सकेंगे। विकास और पर्यावरण को परस्पर विरोधी मानने के बजाय ऐसा विकास मॉडल बनाना होगा जिसमें पहाड़ की प्रकृति, उसकी वहन-क्षमता और स्थानीय समुदायों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता हो। नेपाल की त्रासदी हमारे लिए एक कठोर चेतावनी है-प्रकृति को चुनौती देकर बनाया गया विकास लंबे समय तक विकास नहीं रह सकता। अब हिमालय में हर सड़क, हर सुरंग, हर बांध, हर पर्यटन परियोजना और हर निर्माण से पहले यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि इससे पहाड़ पर कितना दबाव पड़ेगा और किसी चरम प्राकृतिक घटना की स्थिति में इसकी कीमत कौन चुकाएगा। समय रहते निगरानी, वैज्ञानिक आकलन, सीमित एवं सुरक्षित निर्माण और क्षेत्रीय सहयोग की दिशा में कदम उठाए गए तो अनेक जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। लेकिन यदि चेतावनियों को नजरअंदाज किया गया, तो आने वाली त्रासदियां केवल प्राकृतिक आपदाएं नहीं होंगी-वे हमारी विकास-दृष्टि की विफलता का परिणाम भी मानी जाएंगी।

—ललित गर्ग

नियमन के दायरे में आए एआई

इसे सुनिश्चित करना किसका काम था?

एआई एजेंट इंसानों से कई गुना गति से काम करते हैं, इसलिए उन्हें रोक पाना भी इंसानों के लिए कैसे संभव होगा? उन्हें बेलगाम होने से रोकने के लिए भी ऐसे एजेंटों का ही विकास करना होगा, जो उनसे भी तेज गति से निगरानी कर सके। इसी को किल स्विच बताकर इसे बनाने की मांगें की जा रही हैं, परंतु कंपनियों ने इसे पहले क्यों नहीं बनाया?

चीन को लगता है कि अमेरिकी एआई कंपनियां चीन की दिग्गज एआई कंपनियों की प्रतिस्पर्धा से बचने के लिए बेलगाम होते एआई एजेंटों का भय दिखाकर अपनी सरकारों को नियामक व्यवस्था को ऐसा जाल बुनने को उकसा रही हैं जिसमें उन्हें तो छूट मिले और विदेशी कंपनियों पर सुरक्षा के बहाने प्रतिबंध लग जाएं।

चीन की आशंका गलत भी नहीं है, क्योंकि अमेरिकी कंपनियां विकास की गति धीमी करे और लांच से पहले एआई एजेंटों की सुरक्षा जांच करने की बात तो कर रही हैं, पर किसी स्वतंत्र जांच संस्था की बात नहीं कर रही। उसकी बड़ी वजह शायद एआई उद्योग में लगी वह पूंजी है जिससे होने वाली कमाई की आशा में एंथ्रोपिक और ओपनएआई का वित्तीय मूल्यांकन इनके बाजार में आने से पहले ही भारत की जीडीपी के बराबर हो चुका है। इस पूंजी से कमाई करके दिखानी है तो इन एआई कंपनियों को दौड़ में आगे रहना होगा, जो स्वतंत्र नियामक संस्थाओं के कड़े सुरक्षा नियमों के चलते संभव नहीं होगा। इसलिए भय दिखाकर खुद ही नियामक बन जाने की कोशिश की जा रही है। सरकारों को तबाकू और तेल उद्योग के उदाहरणों से सबक लेते हुए कंपनियों के झंसे में आने से बचना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की तर्ज पर ऐसी नियामक संस्था का गठन करना चाहिए, जिसकी सुरक्षा जांच के बिना दुनिया की कोई कंपनी फ्रंटियर और परम बुद्धिमान एआई एजेंटों को लांच न कर सके।

—धनंजय राजौरा

मरने के बाद दूसरों के लिए मिसाल बन गई मंगला परमार राजकीय सम्मान के साथ हुआ देहदान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मानवता की सेवा और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में देवास का अमलतास मेडिकल कॉलेज एक ऐतिहासिक पल का साक्षी बना। महु निवासी स्व. मंगला परमार का देहदान शनिवार को संपूर्ण राजकीय सम्मान के साथ अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (अमलतास मेडिकल कॉलेज) को सौंपा गया।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप, देहदानियों को सर्वोच्च सम्मान देने की कड़ी में पुलिस विभाग की टुकड़ी द्वारा स्व. मंगला परमार को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। इस भावुक और प्रेरणादायी क्षण के दौरान वहां मौजूद पुलिस

सोनकच्छ में धाकड़ समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन बसंत पंचमी पर होगा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सोनकच्छ 21 सितंबर रविवार को धाकड़ समाज के युवा संगठन के सदस्यों ने एक गॉर्डन में सामूहिक विवाह सम्मेलन करने हेतु बैठक आयोजित की गई जिसमें सभी ने सर्वानुमति से निर्णय लिया कि आगामी वर्ष बसंत पंचमी पर 11 फरवरी 2027 को सुबह 8 बजे सोनकच्छ में समाज का स्थित छात्रावास भूखंड गंधर्वपुरी फाटा इंदौर भोपाल फोर लेन पर हैं, वहां समाज के विवाह योग्य युवक युवतियों का सामूहिक विवाह सम्मेलन किया जाना तय हुआ। जिसमें प्रत्येक वर व वधु पक्ष से 12501/ रु पंजीयन राशि रखी गई है। यह पंजीयन प्रथम आओ प्रथम पाओ पर यह राशि दीपावली तक पंजीयन कराने तक रहेगी,इसके बाद समिति द्वारा पंजीयन राशि बढ़ाने हेतु विचार विमर्श किया जायेगा। निवेदक क्षेत्रीय धरणीधर समिति धाकड़ समाज सोनकच्छ।

परिवर्तिनी एकादशी पर श्री श्याम हरिहर धाम में सजेगा आस्था का दरबार

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कैलादेवी स्थित गंगानगर में नवनर्मित श्री श्याम हरिहर धाम मंदिर में 22 सितंबर को परिवर्तिनी एकादशी के पावन अवसर पर भक्ति, श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। इस अवसर पर मंदिर में भगवान श्री श्याम की विशेष पूजा-अर्चना के साथ विभिन्न धार्मिक आयोजन किए जाएंगे। श्री श्याम हरिहर धाम मंदिर के दयाशंकर यादव एवं दिलीप शर्मा ने बताया कि परिवर्तिनी एकादशी के अवसर पर खादू श्याम जी का अलौकिक पुष्प श्रृंगार किया जाएगा। भगवान को छप्पन भोग अर्पित किए जाएंगे। शाम 6 बजे से ज्योत दर्शन प्रारंभ होगा, जो देर रात तक चलेगा। इसके पश्चात महाआरती का आयोजन होगा और फिर भजन संध्या में श्याम भक्त भक्ति गीतों के माध्यम से बाबा की आराधना करेंगे। एकादशी के दिन मंदिर के कपाट प्रातः 6 बजे से देर रात तक श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खुले रहेंगे। समिति सदस्यों ने देवास शहर सहित आसपास के सभी श्याम भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में मंदिर पहुंचकर ज्योत दर्शन, महाआरती एवं श्याम कीर्तन का लाभ लेने का आग्रह किया है।

केंद्रीय मंत्री श्री सिधिया ने राज्य के मंत्रिगणों के साथ मल्टीलेवल कार पार्किंग का किया निरीक्षण

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिधिया ने ग्वालियर के प्रमुख केंद्र महाराजा बाड़ा में बन रहे मल्टीलेवल कार पार्किंग का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परियोजना की प्रगति, निर्माण कार्य की गुणवत्ता तथा विशेष रूप से बेसमेंट-3 में पानी की समस्या और उसकी निकासी की व्यवस्थाओं की विस्तार से जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सामाजिक न्याय एवं उद्यानिकी मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह, विधायक श्री मोहन सिंह राठौर, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौरिया, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी, सीईओ स्मार्ट सिटी श्री प्रतीक राव सहित जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री श्री सिधिया ने कहा कि विकास कार्यों में गति जरूरी है, लेकिन गुणवत्ता और निर्माण की सावधानियों से किसी भी स्थिति में समझौता नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने बेसमेंट-3 में पानी की निकासी के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूरे विषय का समग्र एवं तकनीकी अध्ययन किया जाए।

ग्वालियर के विकास और गौरव की दिशा में एक और ऐतिहासिक कदम, श्री सिधिया ने किया एलिवेटेड रोड फेज-2 का निरीक्षण



ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिधिया ने आज ग्वालियर में निर्माणाधीन एलिवेटेड रोड फेज-2 का निरीक्षण किया और परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। अप्रैल में एलिवेटेड रोड फेज-1 की समीक्षा के बाद अब फेज-2 का निरीक्षण करते हुए सिधिया ने कहा कि ग्वालियर के विकास और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस महत्वपूर्ण परियोजना को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से पूरा करना उनकी प्राथमिकता है। इस दौरान प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सामाजिक न्याय एवं उद्यानिकी मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह, विधायक श्री मोहन सिंह राठौर, नगर निगम सभापति श्री मनोज तोमर, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौरिया, नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी, सीईओ स्मार्ट सिटी श्री प्रतीक राव सहित जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। श्री सिधिया ने बताया कि रानी लक्ष्मीबाई प्रीतमा (फूलबाग) से ए.बी. रोड (हा-46) पर गिरवाई पुलिस चौकी तक स्वर्ण रेखा नदी पर 4-लेन एलिवेटेड कॉरिडोर फ्लाइओवर का निर्माण किया जा रहा है। लगभग 7.5 किलोमीटर के एलिवेटेड रोड और 6 एंट्री-एग्जिट लूप को मिलाकर यह लगभग 13 किलोमीटर की समग्र

बल, परिजनों एवं अमलतास संस्थान के कर्मचारियों ने नम आंखों से इस महान आत्मा को अंतिम विदाई दी। यह पुनीत कार्य उज्जैन जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल के विशेष प्रयासों एवं मार्गदर्शन से संपन्न हुआ। अधिकारियों ने बताया कि आयुष विभाग के निर्देशों और मृतका की अंतिम इच्छा का समाज को ऐसे महान कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए। जब कोई व्यक्ति अपनी देह का दान करता है, तो वह समाज को नया जीवन देने वाले कुशल डॉक्टरों के निर्माण में अपना सर्वोच्च योगदान देता है।

जातिगत भेदभाव मिटाकर सामाजिक एकता का संदेश देती है सनातन संस्कृति : शैलेंद्र सिंह पवार

विजयागंज मंडी से निकली भव्य जन जागृति सनातन यात्रा, कैलादेवी मंदिर पहुंचकर सभा में युवाओं को दिया एकजुटता का संदेश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सनातन संस्कृति से युवाओं को जोड़ने, समाज में जागरूकता बढ़ाने तथा जातिगत भेदभाव समाप्त कर सामाजिक एकता का संदेश देने के उद्देश्य से अखिल भारतीय सनातन परिषद के तत्वावधान में संस्था राम-राम द्वारा हिन्दुवीर शैलेन्द्र सिंह पवार भाई साहब के नेतृत्व में भव्य जन जागृति सनातन यात्रा निकाली गई। संस्था के नीरज वर्मा ने बताया कि यात्रा का शुभारंभ विजयागंज मंडी से हुआ।

यात्रा में अखिल भारतीय सनातन परिषद के सभाग अध्यक्ष 108 श्री योगी महावीर नाथ जी महाराज महामंडलेश्वर, श्री वेदांत दास जी महाराज, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष राजीव खडेलवाल, भाजपा जिला महामंत्री राजेश यादव सहित सनातन परिषद के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। उज्जैन से काशीराम पाटीदार, शाजापुर से बंटी बना, अगर-मालवा से सतपाल चुंडावत एवं प्रवीण यादव, देवास के पारंद नीलेश वर्मा पहलवान, गोपाल खत्री एवं भूपेश ठाकुर

कृपालु के बप्पा के दरबार में मालवा के स्वाद के साथ राजस्थानी बर्फी का आनंद

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने की बप्पा की आरती, श्रद्धालुओं को परोसी भोजन प्रसादी, नशामुक्ति का दिया संदेश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चामुंडा कॉम्प्लेक्स परिसर में विराजे कृपालु के बप्पा के दरबार में गणेश उत्सव के सातवें दिन धार्मिक आयोजन के साथ भोजन प्रसादी का आयोजन किया गया। मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री एवं कृपालु के बप्पा के संरक्षक कैलाश विजयवर्गीय रात करीब 8.15 बजे पंडाल पहुंचे। संस्था कृपालु के संयोजक सुमेरसिंह दरबार एवं सदस्यों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। कैलाश विजयवर्गीय ने भगवान कृपालु के बप्पा का विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर भव्य संपातमय आरती की। आरती के बाद उन्होंने श्रद्धालुओं को स्वयं भोजन प्रसादी परोसी। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। सातवें दिन की भोजन प्रसादी में मालवा के पारंपरिक स्वाद के साथ राजस्थानी मिठास का भी संगम देखने को

मिला। श्रद्धालुओं को पूरी, सब्जी, पुलाव और पापड़ के साथ राजस्थानी बर्फी परोसी गई। भोजन के बाद श्रद्धालुओं ने राजस्थानी बर्फी का स्वाद भी लिया। मालवा की भोजन परंपरा के बीच राजस्थानी मिठाई ने प्रसादी के स्वाद को अलग पहचान दी। ख़ास अवसर पर



मिला। श्रद्धालुओं को पूरी, सब्जी, पुलाव और पापड़ के साथ राजस्थानी बर्फी परोसी गई। भोजन के बाद श्रद्धालुओं ने राजस्थानी बर्फी का स्वाद भी लिया। मालवा की भोजन परंपरा के बीच राजस्थानी मिठाई ने प्रसादी के स्वाद को अलग पहचान दी। ख़ास अवसर पर

'सेवा-संकल्प अभियान' एवं 'मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान' के तहत जिले में जन-जन को जोड़कर भव्यता के साथ कार्यक्रम आयोजित किए जाएं

प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर अभियानों की समीक्षा की

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में चलाए जा रहे दो महत्वपूर्ण अभियान सेवा-संकल्प अभियान एवं मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत ग्वालियर जिले में जन सामान्य को जोड़कर व्यवस्थित और भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। अभियानों के तहत दिए गए दिशा-निर्देशों के क्रम में सभी कार्य समय पर हों, यह भी सुनिश्चित किया जाए। प्रदेश के जल संसाधन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने सोमवार को मुरार सफ़िट हाउस में जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सेवा-संकल्प अभियान के तहत जिले में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

इन गतिविधियों में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के साथ-साथ जन-जन को जोड़ने की भी आवश्यकता है। बैठक में संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री, पुलिस महानिरीक्षक श्री अरिस्त यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौरिया, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्री सोजान सिंह रावत, अपर आयुक्त नगर निगम श्री प्रतीक राव, डीन मेडिकल कॉलेज डॉ. आर के एस धाकड़, अपर आयुक्त श्री प्रदीप तोमर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सागर,



महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्रीमती उपासना राय, जिला शिक्षा अधिकारी एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि अभियान के तहत शासकीय स्कूल व कॉलेजों में चित्रकला व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन जिले भर में हो और अधिक से अधिक विद्यार्थी इसमें सहभागिता करें। साथ ही नुकड़ नाटक, शासन की कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों पर केन्द्रित हर जिले में किए जा रहे हैं, ग्वालियर में भी व्यवस्थित रूप से आयोजित हों। सेवा कलश यात्रा जिले के सभी ब्लॉक से निकलकर जिला मुख्यालय पर आए और जिला मुख्यालय पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाए। इसके साथ ही सुशासन सेवा संवाद कार्यक्रम के तहत जिले की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि

तेजा दशमी पर निकला चल समारोह, सत्यवादी वीर तेजाजी महाराज के जयकारों से गूंजा बावड़िया

नागेश्वर मंदिर से निकला चल समारोह, श्रद्धालुओं ने जगह-जगह किया स्वागत



प्रहलाद नगर, पटेल नगर, गांधी चौक, सन सिटी-2, विकास नगर चौराहा, बावड़िया चौराहा होते हुए इमली चौक पहुंचा। इसके बाद चल समारोह पुनः नागेश्वर मंदिर पहुंचा, जहां विधि-विधान के साथ बाबा के निशान चढ़ाए गए। निशान चढ़ाने के बाद समारोह का समापन हुआ। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं में खासा उत्साह नजर आया। तेजाजी महाराज के

जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। चल समारोह में समाजनों एवं धर्मप्रेमी भक्तों ने ब द - च दू क र सहभागिता की। इस अवसर पर नानू लोहाना, स्वतंत्रता जी

शर्मा, मदनलाल लोहाना, सर्वन लोहाना, कपिल लोहाना, निर्भय अग्रवाल, नितिन लोहाना, अभिषेक चौहान, प्रेम बोड़ाना, लल्ला राठौर, गोल्ू बोड़ाना, राहुल राठौर, लक्ष्मी लोहाना, चेतन गुर्जर, आशु बोड़ाना, आकाश लोहाना, पप्पू लोहाना, रूद्र लोहाना सहित बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी भक्त एवं माता-बहनें उपस्थित रहीं।

सिन्धबाज के परिवार के लिए वारिश अब डर नहीं, केवल मौसम है

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एक पक्की छत सर्फ ईट-पत्थर से नहीं बनती, वह भविष्य की नींव भी रखती है। सिंधुबाज से बेहतर भला इसे कौन समझ सकता है। कभी बरसात की हर रात सिंधबाज के परिवार के लिए डर लेकर आती थी, वजह थी जिस कच्ची झोपड़ी में उनका परिवार रहता था वह टपकती थी। पर अब हालात बदल गए हैं। सिंधबाज के परिवार के लिए बारिश अब डर नहीं, केवल खुशनुमा मौसम है। ‘सेवाङ्कसंकल्प अभियान-’ की भावना के अनुरूप सरकार द्वारा प्रधानमंत्री जन मन आवास योजना के तहत बनवाये गए पक्के घर में सिंधबाज परिवार सहित रहते हैं। साथ ही यहीं से अपनी साउण्ड सिस्टम की दुकान भी चलाते हैं। ग्वालियर जिले की मुरार जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत हस्तिनापुर के निवासी सिंधबाज अनुसूचित जनजाति से ताह्लुक रखते है। उनका पक्के घर का सपना लंबे समय तक सपना ही बना रहा। मजदूरी ही परिवार की आजीविका का एकमात्र सहारा थी। जितना कमाते वह परिवार के भरण पोषण में खर्च हो जाता।

इसी बीच प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना (प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान) शुरू की। यहीं से सिंधबाज के दिन फिर गए। इसी योजना के तहत सिंधबाज का आवास स्वीकृत हो गया। सरकार से मिली 2 लाख रुपये की सहायता राशि से उनका शौचालय सहित पक्का मकान बन गया है। अब बारिश उनके परिवार के लिए डर नहीं, केवल मौसम है। अपने जीवन में आए बदलाव के लिए सिंधबाज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार जताते हैं। उनका कहना है कि सुरक्षित घर मिलने के बाद अब वे पूरे भरोसे के साथ अपने रोजगार को बढ़ाने और बच्चों का भविष्य स्वामने में जुटे हैं। पक्का घर बनने के बाद घरमत्त का खर्च खत्म हुआ और वहीं पैसा परिवार की जरूरतों पर लगाने लगा। सिंधबाज ने अपने संसाधनों से साउण्ड सिस्टम की दुकान शुरू की।

टीएल बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरु के ने विभिन्न विभागों के कार्यों और लंबित शिकायतों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन सहित आमजन से प्राप्त शिकायतों का निश्चित समय-सीमा में संतुष्टिपूर्वक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निराकरण में लापरवाही अथवा अनावश्यक देरी पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

बैठक के दौरान 50 दिवस से अधिक समय से लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने डीडीए और सीहोर नगर पालिका के सीएमओ के प्रति नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने तथा शिकायतकर्ता को संतुष्टिपूर्वक समाधान उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि वे अपने विभाग से संबंधित शिकायतों की नियमित समीक्षा करें और लंबित प्रकरणों को अनावश्यक रूप से आगे न बढ़ने दें। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री जनकल्याण संवल योजना के संबंधित शिकायतों के निराकरण में उल्लेखनीय प्रगति के लिए श्रम अधिकारी की सराहना की। वहीं स्वास्थ्य विभाग द्वारा सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के अधिक से अधिक निराकरण किए जाने पर भी कलेक्टर ने विभाग के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने अन्य विभागों के अधिकारियों को भी शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के लिए इसी प्रकार गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव, अपर कलेक्टर श्री बृजेश स्वर्सेना, संयुक्त कलेक्टर श्री रविन्द्र परमार, एसडीएम श्री तमय्य वर्मा, श्रीमती स्वाति मिश्रा,डिटी कलेक्टर श्री प्रेम सिंह गोड़ा, श्री गिरिराज सिंह परियार सहित विभागों के जिलाधिकारी उपस्थित थे। आगामी त्योहारों को देखते हुए कलेक्टर श्री बालागुरु के. ने जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

8.65 करोड़ का सफेद हाथी बना बदनावर सिविल अस्पताल

नए भवन में पहुंचे सिर्फ 30 बेड, मरीज आज भी बदबू में इलाज कराने को मजबूर

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 8 करोड़ 65 लाख की भारी-भरकम लागत से चमचमाता नया अस्पताल भवन बनकर तैयार खड़ा है, लेकिन बदनावर के लाचार मरीज आज भी पुराने, जर्जर और बदबूदार भवन में घिसटने को मजबूर हैं। मीडिया में समाचार प्रमुखता से आने के बाद प्रशासनिक अमले में हड़कंप तो मचा, लेकिन जो कार्रवाई हुई वह भी किसी %मजाक% से कम नहीं—नए भवन में आनन-फानन में 30 बेड तो पहुंचा दिए गए, मगर इलाज का पूरा ढर्रा आज भी उसी बदहाल पुराने भवन में ही जारी है। सवाल उठता है कि आखिर किसे दिखाने के लिए यह लोपोपाती की जा रही है।

सोमवार को एसडीएम प्रियंका मिहरोटि जब सिविल अस्पताल का जायजा लेने पहुंचीं, तो वहां का नरकीय मंजर देखकर बिफर पड़ीं। परिसर में गंदगी का आलम यह था कि बाथरूम से 25 फीट दूर तक अस्हनीय दुर्गंध आ रही थी। एसडीएम ने सीबीसीएमओ की क्लास लगाते हुए तलख सवाल किया की जब



25 फीट की दूरी तक इतनी तेज बदबू आ रही है, तो यहां भर्ती मरीज कैसे समय काट रहे होंगे। इसकी जवाबदारी किसकी है। हालांकि सीबीएमओ डॉ. मुजालदे ने अपनी जवाबदेही स्वीकार कर व्यवस्था सुधारने की बात कही, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या बिना प्रशासनिक फटकार के मरीजों को मानवीय स्थिति में इलाज पाने का भी हक नहीं है।

प्रशासन की दिखावे की कार्रवाई का

आलम यह है कि पीएचसी बखतगढ़ और अन्य स्थानों से 30 बेड लाकर नए भवन में पटक दिए गए। लेकिन सवाल जस का तस कायम है—क्या खाली बेड पर हवा का इलाज होगा। बेड शिफ्ट कर दिए गए, मगर मरीज और पूरी चिकित्सा व्यवस्था आज भी उसी पुराने, अस्वच्छ भवन में सांस ले रही है। करोड़ों रुपए खर्च होने के बावजूद नई बिल्डिंग पर ताला लटकना सीधे तौर पर सरकारी धन की बर्बादी और जन-

स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है। जब एसडीएम ने पूछा कि जब नया भवन तैयार है तो मरीजों को वहां शिफ्ट क्यों नहीं किया जा रहा, तो सीबीएमओ डॉ. मुजालदे ने कर्मचारियों की कमी का रोना रोया। उनका तर्क था कि दोनों भवनों को एक साथ संचालित करना मुश्किल है। हालांकि, एसडीएम ने इस बहानेबाजी को खारिज करते हुए सख्त लहजे में कहा कि पुराने गंदे भवन में मरीजों को रखने का कोई

औचित्य नहीं है, जब नया भवन उपलब्ध है तो अस्पताल संचालन तुरंत वहीं से शुरू किया जाए।

अस्पताल की अंदरूनी हालत यह है कि स्वास्थ्य सुविधाएं केवल कागजों पर दौड़ रही हैं। जरूरत कम से कम 30 नर्सिंग अफसरों की है, लेकिन अस्पताल महज 15 के भरोसे चल रहा है। सर्जन, ऑर्थोपेडिक और एमडी विशेषज्ञ डॉक्टरों के पद खाली पड़े हैं। एकमात्र स्त्री व प्रसूति रोग विशेषज्ञ मातुत्व अवकाश पर हैं। नए बॉन्डेड डॉक्टरों की सूची में से 6 में से केवल 3 डॉक्टरों ने ही अब तक जॉइन किया है।

पत्रकारों ने उठाए सिस्टम से सीधे सवाल - 8.65 करोड़ का भव्य भवन आखिर किस दिन और किसके काम आएगा। अगर बेड नए भवन में जा सकते हैं, तो मरीजों को शिफ्ट करने में किसका हित आड़े आ रहा है। मरीजों को नरक जैसी बदबू में इलाज कराने पर मजबूर करने वाले जिम्मेदारों पर कार्रवाई कब होगी। क्या एसडीएम के निर्देशों के बाद वास्तव में ताले खुलेंगे या यह कार्रवाई भी सिर्फ एक दिन की सुर्खियां बनकर रह जाएगी।

हदसे रोकने को बिज जरूरी, पर वीर शिरोमणि का सम्मान भी सर्वोपरि

बदनावर में राजपूत समाज ने एसडीएम को सौंपा झापन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के प्रमुख चौराहे महाराणा प्रताप चौक पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ब्रिज निर्माण अत्यंत आवश्यक है, लेकिन इस निर्माण से त्याग, समर्पण और स्वाभिमान के प्रतीक हिंदुआ सूरज वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की प्रतिमा की भव्यता प्रभावित न हो, इसके लिए महाराणा प्रताप राजपूत समाज ट्रस्ट आगे आया है। ट्रस्ट द्वारा अनुविभागीय अधिकारी प्रियंका मिहरोटि को कलेक्टर के नाम एक झापन सौंपा गया।

ट्रस्ट के अधिकृत युवा राजपूत संगठन अध्यक्ष पोपसिंह राठौर (पप्पी बना) द्वारा सौंपे गए झापन में प्रशासन के समक्ष मांग राखि की चौपाटी पर ब्रिज बनने से महाराणा प्रताप जी की प्रतिमा ठीक ब्रिज के सामने दब जाएगी, जिससे उसकी सुंदरता, भव्यता और स्वाभिमान प्रभावित होगा। इसलिए प्रतिमा को



नगर परिषद द्वारा बनाए गए बाबा बैजनाथ द्वार के मध्य डिवाइडर पर सम्मानजनक स्थान उपलब्ध कराकर स्थानांतरित किया जाए। नगर परिषद बदनावर द्वारा चौराहे पर निर्मित बाबा बैजनाथ द्वार पर चौराहे का नाम %महाराणा प्रताप चौक% स्पष्ट रूप से अंकित किया जाए।

झापन में स्पष्ट किया गया कि चौपाटी चौराहे पर ब्रिज न होने के कारण पूर्व में कई दर्दनाक दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, इसलिए ब्रिज का निर्माण बेहद जरूरी है। समाज विकास और सुरक्षा का पूर्ण समर्थन करता है,

लेकिन वीर शिरोमणि की प्रतिमा के मान-सम्मान एवं भव्यता की रक्षा के लिए स्थान संशोधन की प्रक्रिया साथ-साथ पूरी की जानी चाहिए। झापन सौंपने के दौरान महाराणा प्रताप ट्रस्ट अध्यक्ष अंतर सिंह पंवार, नगर परिषद उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह पंवार, युवा राजपूत संगठन अध्यक्ष पोपसिंह राठौर (पप्पी बना), भाजपा नेता विजय सिंह पंवार, पूर्व अध्यक्ष प्रेम कलब दिलीप सिंह चौहान, मनोहर सिंह पवार, हर्षदीप सिंह चौहान, शंभू सिंह गोड, चितरंजन सिंह राठौर, ईश्वर सिंह पवार, जितेंद्र सिंह देवड़ा, मदनसिंह देवड़ा, प्रेम सिंह डोडिया, डॉ. कमल सिंह राठौर, बटू सिंह चौहान, अविनाश सिंह राठौर, चेतन राठौर सहित समाज के वरिष्ठ जन, जनप्रतिनिधि और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। झापन प्राप्त करने के बाद प्रशासनिक स्तर पर उचित कदम उठाने की उम्मीद जताई जा रही है।

बड़ावदा में धूमधाम से निकला तेजाजी निशान चल समारोह, 40 से 45 निशान मंदिर पर चढ़ाए



बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में श्री सत्यवादी वीर तेजाजी महाराज के मंदिर पर निशान चढ़ाने का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु निशान लेकर पहुंचे। डोल-धमाकों की गूंज के बीच निकला निशान चल समारोह नगर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ श्री सत्यवादी वीर तेजाजी मंदिर पहुंचा। मंदिर परिसर में विधि-विधान के साथ करीब 40 से 45 निशान चढ़ाए गए। चल समारोह में श्रद्धालु डोल की थाप पर उत्साह के साथ शामिल हुए। नगर के प्रमुख मार्गों से निकले इस समारोह के दौरान धार्मिक माहौल बना रहा। निशान यात्रा के मंदिर पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने तेजाजी महाराज के जयकारे लगाए। इसके बाद भक्तों ने पंक्तिबद्ध होकर अपने-अपने निशान मंदिर पर अर्पित किए तथा तेजाजी महाराज के दर्शन कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। निशान चढ़ाने के अवसर पर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। नगर के अनेक भक्तों ने मंदिर पहुंचकर नारियल, अगरबत्ती सहित पूजन सामग्री के साथ विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और तेजाजी महाराज के समक्ष मल्था टेककर आशीर्वाद लिया। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। चल समारोह एवं मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी अलर्ट नजर आया। व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मी मुस्तैद रहे, जिससे आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। निशान चढ़ाने के इस धार्मिक आयोजन में नगर सहित आसपास के क्षेत्रों की सहभागिता रही। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा।

सोयाबीन की खरीदी 8,000 प्रति क्विंटल पर तत्काल शुरू करे सरकार – किसानों को मंडियों में लुटने के लिए न छोड़ा जाए

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंडियों में सोयाबीन की नई फसल की आवक शुरू होते ही किसानों की परेशानी बढ़ गई है। किसानों की मेहनत और लागत के अनुरूप भाव मिलने के बजाय व्यापारियों द्वारा मनमाने दाम लगाए जा रहे हैं। किसान मजबूरी में अपनी उपज औने-पौने दामों पर बेचने को विवश है। मंडियों में किसानों की उपज की खुली लूट हो रही है और सरकार की चुप्पी बेहद चिंताजनक है।

भारतीय किसान एवं मजदूर सेना के अध्यक्ष बबलू जाधव, प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेंद्र पटेल, प्रदेश सचिव चंदनसिंह बड़वाया एवं जिला अध्यक्ष प्रवीण ठाकुर ने सरकार से दो टूक मांग की है कि सोयाबीन की सरकारी खरीदी बिना किसी देरी के तत्काल शुरू की जाए और किसानों को १8,000 प्रति क्विंटल का भाव सुनिश्चित किया जाए।

किसान नेताओं ने कहा कि सरकार एक ओर किसान कल्याण वर्ष मना रही है, वहीं दूसरी ओर सोयाबीन



उत्पादक किसान अपनी उपज का उचित मूल्य पाने के लिए भटक रहे हैं। यदि सरकार वास्तव में किसान हितैषी है तो उसे घोषणाओं और कार्यक्रमों से आगे बढ़कर किसानों को उनकी फसल का सम्मानजनक मूल्य दिलाना होगा। सोयाबीन की लागत लगातार बढ़ रही है। बीज, खाद, दवाइयां, डीजल, मजदूरी और खेती के

अन्य खर्चों के बाद किसान को कम भाव पर उपज बेचने के लिए मजबूर करना किसानों के साथ अन्याय है। भारतीय किसान एवं मजदूर सेना ने चेतावनी दी है कि सरकार किसानों को मंडियों में व्यापारियों के भरोसे छोड़कर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती। सोयाबीन की सरकारी खरीदी में एक दिन की देरी भी किसानों पर आर्थिक बोझ बढ़ाएगी। किसान नेताओं ने कहा कि अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि तत्काल खरीदी चाहिए। सरकार सोयाबीन की खरीदी शुरू करे और 8,000 प्रति क्विंटल का भाव सुनिश्चित करे। किसानों की मेहनत, पसीने और लागत का उचित मूल्य दिलाना सरकार की जिम्मेदारी है।

मेवाड़ा माली समाज बड़नगर में भक्ति का सैलाब 21 लाख 21 हजार रुपये के नोटों से होगा गणपति बप्पा का दिव्य शृंगार 80 वर्षों की परंपरा अनुसार श्रीमद् भागवत कथा जारी

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़नगर की मेवाड़ा माली सेरी स्थित श्री गणेश उत्सव एवं मेवाड़ा माली समाज मंदिर में इन दिनों धर्म, आस्था और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। गणेश उत्सव, तेजा दशमी और डोल ग्यारस के पावन अवसर पर भव्य धार्मिक आयोजनों की श्रृंखला जारी है।

21,21,121 रुपये की राशि से सजेगा प्रथम पूजा का विशेष शृंगार- मेवाड़ा माली सेरी में चल रहे गणेश उत्सव के तहत दो दिवसीय विशेष आयोजन में तेजा दशमी एवं डोल ग्यारस के महापर्व पर भगवान श्री गणेश का 21,21,121/- (इक़्कीस लाख इक़्कीस हजार एक सौ इक़्कीस रुपये) की मुद्रा से भव्य एवं मनोहारी शृंगार किया जा रहा है। इस दिव्य और अलौकिक शृंगार के दर्शन हेतु बड़नगर सहित आसपास के समूचे अंचल से हजारों श्रद्धालुओं के उमड़ने की संभावना है।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम, CCTV व पुलिस



बल तैनात- शृंगार में भारी धनराशि शामिल होने तथा श्रद्धालुओं की अपार भीड़ के मद्देनजर उत्सव समिति द्वारा सुरक्षा के पुख्ता अंदोबस्त किए गए हैं। पूरे पंडाल परिसर एवं आसपास की गलियों में सीसीटीवी कैमरों से 24 घंटे पैनी नजर रखी जा रही है। प्रमुख प्रवेश द्वारों व चौराहों पर समिति के स्वयंसेवक मुस्तैद रहेंगे, साथ ही व्यवस्था एवं शांति बनाए रखने हेतु पुलिस बल भी तैनात रहेगा।

डोल ग्यारस पर वर्षों पुरानी परंपरा अनुसार

निकलेगी भगवान श्रीकृष्ण के डोले की भव्य सवारी व अखाड़ा - डोल ग्यारस के पावन अवसर पर 22 सितंबर को मेवाड़ा माली सेरी से वर्षों पुरानी ऐतिहासिक परंपरा का निर्वहन करते हुए भगवान श्री कृष्ण के दिव्य डोले की भव्य सवारी एवं पारंपरिक चल समारोह निकाला जाएगा। इस चल समारोह में मेवाड़ा माली अखाड़ा मुख्य आकर्षण रहेगा, जिसमें अखाड़े के उस्ताद व पहलवान हैरतअंगेज एवं शौर्यपूर्ण करतबों का प्रदर्शन करते हुए चलेंगे। नगर में वर्षों से निकाली जा रही भगवान श्रीकृष्ण के डोले की इस पावन सवारी के दर्शन एवं स्वागत के लिए जगह-जगह मंच व पुष्पवर्षा की भव्य तैयारियां की गई हैं।

80 वर्षों की ऐतिहासिक परंपरा- भागवत महापुराण में उमड़ रहे श्रद्धालु- प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मेवाड़ा माली समाज मंदिर में विगत 80 वर्षों की अटूट परंपरा (कोरोना काल को छोड़कर) को निभाते हुए श्रीमद् भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञानयज्ञ का आयोजन जारी है। भादवा सुदी अष्टमी (राधा अष्टमी) से प्रारंभ हुई यह अमूलमयी कथा 25 सितंबर तक चलेगी। कथा व्यास पंडित स्नेह-प्रद्युम्न त्रिवेदी के मुखारविंद से प्रतिदिन सैकड़ों भक्तजन कथा के गूढ़ प्रसंगों का श्रवण कर भावविभोर हो रहे हैं।

समाज अध्यक्ष नारायण खड्डूया, श्री गणेश उत्सव समिति के राधेश्याम माली सहित समस्त पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने नगर व क्षेत्र के सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से इन सभी धार्मिक आयोजनों में सपरिवार पधारकर दर्शन एवं धर्मलाभ लेने का विनम्र आग्रह किया है।

उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी संतोष बोरवाल ने दी।

डोल ग्यारस, को लड्डू गोपाल व गणेश जी की होगी महा आरती



बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्राचीन हिंगलाज माता मंदिर रंगार सेरी पर जल झूलनी एकादशी को भगवान गणेश एवं लड्डू गोपाल का विशेष शृंगार व पूजन अर्चन कर महा आरती होगी पुजारी देवपुरी गोस्वामी ने बताया कि डोल ग्यारस का महत्व है कि कृष्ण जन्म के 11 दिन बाद माता यशोदा ने उनका जलवा पूजन किया और भगवान कृष्ण का शृंगार कर झूले में झुलाया था,, तभी से इस दिन को डोल ग्यारस के रूप में मनाया जाता है जानकारी देवपुरी गोस्वामी ने दी।

विद्यालय में सजी ‘विकसित भारत’ की चित्रकला प्रदर्शनी, अतिथियों ने सराह छात्रों का हुनर



बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान अन्तर्गत दिनांक 19 सितम्बर 2026 को विद्यालय में विकसित भारत की संकल्पना विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। दिनांक 20 सितम्बर 2026 को चित्रकला प्रदर्शनी आयोजित की गई। प्रदर्शनी का अवलोकन

पालकगण, जनप्रतिनिधि, शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष तथा अतिथि द्वय डॉ. रितेश राय एवं डॉ. श्रद्धा लचेरा आदि ने किया तथा छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया गया। भाषण प्रतियोगिता एवं चित्रकला प्रतियोगिता के सहभागियों में से सर्वश्रेष्ठ तीन-तीन प्रतिभागियों का चयन प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय के रूप में किया गया। सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों को अतिथि द्वय की उपस्थिति में प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। चर्चनित प्रतिभागी दिनांक 22/09/2026 को संकुल स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभागी रहेंगे। संकुल स्तर पर चर्चनित प्रतिभागी दिनांक 24/09/2026 को विकासखण्ड स्तरीय प्रतियोगिता में सहभागी रहेंगे।

नवीन उचित मूल्य दुकानों के आवंटन हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के विकासखण्ड झाबुआ, रामा एवं राणापुर के ग्रामीण क्षेत्रों की ग्राम पंचायतों में नवीन शासकीय उचित मूल्य दुकानें स्थापित किए जाने हेतु पात्र संस्थाओं, समूहों एवं समितियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में समर्पित, अतिरिक्त एवं निर्लाभित शासकीय उचित मूल्य दुकानों को खोलने तथा लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के प्रभावी एवं सुचारु क्रियाव्ययन के संबंध में शासन द्वारा नवीन निर्देश जारी किए गए हैं। इन निर्देशों की विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाइट राशन मित्र पोर्टल तथा संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। नवीन उचित मूल्य दुकानों की सूची भी विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है। उचित मूल्य दुकान के आवंटन हेतु मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा 10 की उपधारा (1) के अंतर्गत वर्गीकृत उपभोक्ता सोसायटी, विपणन सोसायटी, उत्पादक सोसायटी, संसाधन सोसायटी, बहुयोजना सोसायटी, महिला स्व-सहायता समूह एवं संयुक्त वन प्रबंधन समिति पात्र होंगी।

राठौड़ तेली समाज महासभा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों का बदनावर में भव्य स्वागत



बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षत्रिय राठौड़ तेली समाज के राष्ट्रीय राठौड़ तेली महासभा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामविलास जी

राठौड़, ग्वालियर एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री राजेन्द्र जी भदौरीया भोपाल, प्रदेश उपाध्यक्ष नरेंद्र जी राठौड़ बदनावर सहित राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य श्री पवन जी राठौड़ एवं श्री धीरेन्द्र जी राठौर पत्रकार, प्रथम बदनावर के नगर आगमन पर समाजजनों द्वारा मृत्युंजय होटल में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

स्वागत कर्ता- राष्ट्रीय मंत्री गोवर्धन लाल राठौड़, राष्ट्रीय प्रचार मंत्री राधेश्याम राठौड़,जिला संयोजक संतोष राठौड़ नालख, तहसील अध्यक्ष राजमल राठौड़ छयन, सामूहिक विवाह समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश राठौड़ बदनावर, राठौड़ बखतगढ़, पूर्व सामूहिक विवाह समिति अध्यक्ष नारायण राठौड़ कलोल , रमेश राठौड़, जावदीश राठौड़, पूनमचंद राठौड़, राजेश राठौड़, अनिल राठौड़, योगेश राठौड़, गौरव राठौड़,पवन राठौड़ पटेल,पत्रकार मोहित राठौड़ सुशील राठौड़, सुरेंद्र राठौड़, कपिल राठौड़, अरविंद राठौड़, कन्हैया लाल राठौड़, अशोक राठौड़ विष्णु राठौड़ एवं अन्य क्षेत्र से पधारे सभी अतिथि गण द्वारा स्वागत किया गया इस अवसर पर समाजजनों ने नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों का आत्मीय स्वागत करते हुए उन्हें नवीन दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं। पदाधिकारियों के बदनावर आगमन को लेकर समाजजनों में उत्साह का माहौल रहा। स्वागत बेला में समाज के पदाधिकारी, वरिष्ठजन एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। समाजजनों ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर समाज के प्रतिनिधियों को महत्वपूर्ण दायित्व मिलने से समाज में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। इस दौरान सामाजिक एकता, संगठन की मजबूती एवं समाजहित के विभिन्न विषयों पर भी चर्चा हुई। उपस्थित समाजजनों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों के सफल कार्यकाल की मंगलकामना की।

सांदीपनि विद्यालय में सेवा संकल्प अभियान के तहत पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मालवा हेराल्ड/सांदीपनि शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बदनावर में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित मेरे सपनों का भारत विषयक चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह गरिमापूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने कलाकृतियों और ओजस्वी भाषणों के माध्यम से विकसित भारत और राष्ट्र निर्माण की अपनी परिकल्पना प्रस्तुत की।

समारोह का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात अतिथियों ने विद्यार्थियों द्वारा लगाई गई चित्रकला प्रदर्शनी का अवलोकन किया और उनकी रचनात्मक क्षमता की मुक्त कंठ से सराहना की। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती मीना शेखर यादव ने कहा कि आज के विद्यार्थी ही कल के भारत का नेतृत्व करेंगे। वर्ष 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प तभी साकार होगा, जब हमारी युवा पीढ़ी शिक्षा, अनुशासन और नवाचार के साथ जिम्मेदारी से आगे बढ़ेगी। भाजपा जिला



उपाध्यक्ष एवं अभियान जिला प्रभारी प्रेमचंद परमार सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने उद्बोधन में देश और प्रदेश में हो रहे विकास कार्यों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से राष्ट्र सेवा का संकल्प लेने का आह्वान किया। संस्था के प्राचार्य रियाजुद्दीन शेख ने स्वागत भाषण देते हुए प्रतियोगिता के उद्देश्यों पर जानकारी दी।

भाषण प्रतियोगिता में हायर सेकेंडरी वर्ग से प्रथम स्थान निष्ठा मिर्जा, द्वितीय स्थान स्वाति नाथावत तथा तृतीय स्थान कुमकुम नागर ने प्राप्त किया। माध्यमिक वर्ग में कक्षा 6 की कुमारी नेहा चौहान प्रथम, कक्षा 7 की हर्षिता भाटी द्वितीय तथा कक्षा 7 की हर्षिता सिवां तृतीय स्थान पर रहे। चित्रकला प्रतियोगिता में हायर सेकेंडरी वर्ग से

कार्यक्रम में नगर परिषद उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह पवार (फूटा बापू), भाजपा महिला मोर्चा महामंत्री सीमा रावल, नगर मंडल अध्यक्ष मनीष गुर्जर, जिला मीडिया प्रभारी मनोज सोलंकी, नगर मंडल उपाध्यक्ष अंशुमन जोशी, पार्षद जितेंद्र शर्मा, पार्षद अनीता संतोष चौहान, एल्वरमैन मितेश शर्मा, पंडित मनीष शर्मा एवं डॉ. संतोष चौहान विशेष रूप से उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत प्राचार्य रियाजुद्दीन शेख, कैप्टन चौराडिया, अक्रित जैन, भूपेंद्र परमार, जितेंद्र रावल, शुभम उपाध्याय, अनीता राठौर एवं जसोद बैरागी ने किया। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता प्रदीप पांडेय ने किया तथा अंत में आधार शिक्षिका अनीता राठौर ने माना।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक - शुभम ताप्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

खजूर वाली मस्जिद से गणेश चौक तक 15 मीटर चौड़ी होगी सड़क

730 मीटर लंबे मार्ग पर 272 मकान होंगे प्रभावित- 9.80 करोड़ रुपए होंगे खर्च, नपती-मार्किंग शुरू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ महापर्व को देखते हुए शहर की सड़कों को सुगम और यातायात के दबाव को कम करने की कवायद तेज हो गई है। नगर निगम ने खजूर वाली मस्जिद से अब्दालपुरा, जीवाजीगंज थाने होते हुए गणेश चौक तक सड़क चौड़ीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह मार्ग 15 मीटर चौड़ा किया जाएगा। उपरोक्त मार्ग पर करीब 730 मीटर लंबी सड़क को 15 मीटर चौड़ा किया जाएगा। इस काम पर करीब 9.80 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है।

सोमवार से निगम की टीम ने सड़क की

प्रस्तावित सीमा में कौन-कौन से निर्माण आ

रहे हैं।

सीमा तय करने मौके पर पहुंची निगम की टीम-नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के निर्देश पर भवन निरीक्षक शिवम गुप्ता सहित निगम की टीम ने सोमवार को मौके पर पहुंचकर सड़क की नपती की। टीम ने प्रस्तावित सड़क सीमा के अनुसार भवनों को चिन्हित करने के साथ प्रभावित निर्माणों से संबंधित जरूरी जानकारी भी जुटाई।

सिंहस्थ में बढ़ेगा यातायात दबाव- खजूर वाली मस्जिद से गणेश चौक तक का मार्ग शहर के प्रमुख और व्यस्त रास्तों में शामिल है। सिंहस्थ के दौरान उज्जैन में बड़ी संख्या

में श्रद्धालुओं के पहुंचने से इस मार्ग पर यातायात का दबाव बढ़ने की संभावना है। इसी को देखते हुए सड़क को 15 मीटर चौड़ा करने की योजना तैयार की गई है। निगम अधिकारियों के मुताबिक फिलहाल नपती, सर्वे और मार्किंग का काम किया जा रहा है। सड़क की वास्तविक सीमा और प्रभावित निर्माणों की जानकारी जुटाने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। चौड़ीकरण पूरा होने के बाद इस मार्ग पर यातायात के लिए अधिक जगह उपलब्ध होगी और सिंहस्थ के दौरान आवागमन को व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी।

घास की आड़ में चूहों के बड़े-बड़े बिल... उद्यानों में बढ़ा सांपों का खतरा

200 से ज्यादा बड़े उद्यान, कई जगह महीनों से नहीं हुई घास की कटाई

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के प्रमुख उद्यानों में हरियाली अब लोगों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। कई बगीचों में घास इतनी बढ़ गई है कि जमीन दिखाई देना मुश्किल है। इसी घास के बीच चूहों ने बड़े-बड़े बिल बना लिए हैं। चूहों की बढ़ती संख्या और घनी घास के कारण अब इन उद्यानों में सांपों का खतरा भी बढ़ गया है। सबसे ज्यादा चिंता उन बगीचों को लेकर है, जहां सुबह से देर रात तक बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचते हैं।

शहर के मध्य स्थित- क्षीरसागर स्थित गांधी बाल उद्यान में बड़ी संख्या में लोग सुबह-शाम घूमने और व्यायाम करने पहुंचते हैं। बच्चों और परिवारों की भी यहां दिनभर आवाजाही रहती है। इसके बावजूद उद्यान के कई हिस्सों में घास की



कटाई और नियमित सफाई नहीं हो रही है। जगह-जगह घास के बीच चूहों के बिल दिखाई दे रहे हैं। नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते सफाई और घास की कटाई नहीं हुई तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है।

माली की जिम्मेदारी, फिर भी नहीं हो रही देखेख- नगर निगम के उद्यानों की देखरेख के लिए माली तैनात हैं, लेकिन कई जगह नियमित निगरानी और रखरखाव का अभाव दिखाई दे रहा है।

घास बढ़ने के साथ ही झाड़ियां भी फैल रही हैं। इससे बगीचों का स्वरूप बिगड़ने के साथ सुरक्षा का खराबा भी बढ़ रहा है। खासकर बच्चों के खेलने वाले क्षेत्रों के आसपास ऐसी लापरवाही चिंता बढ़ाने वाली है।

सिंहस्थ मेला क्षेत्र में 10 हजार वर्गफीट का अवैध निर्माण ध्वस्त

लाल पुल के पास माधवन आश्रम पर नगर निगम की जेसीबी चली- बिना अनुमति बना लिया था 100×100 फीट का पक्का भवन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ मेला क्षेत्र में बिना अनुमति किए गए बड़े निर्माण पर सोमवार सुबह नगर निगम ने कार्रवाई की। लाल पुल ब्रिज के समीप मार्ग पर स्थित माधवन आश्रम में बने करीब 10 हजार वर्गफीट के पक्के भवन को नगर निगम की जेसीबी ने तोड़ दिया। कार्रवाई के दौरान आश्रम प्रबंधन की ओर से विरोध भी किया गया, लेकिन निगम अधिकारियों ने निर्माण संबंधी दस्तावेज और अनुमति नहीं होने का हवाला देते हुए कार्रवाई जारी रखी।

नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक आश्रम संचालक ने करीब 100 बाय 100 फीट क्षेत्र में 10 हजार वर्गफीट का पक्का भवन खड़ा कर लिया था। मेला क्षेत्र में

निर्माण को लेकर पूर्व में ही निगम की ओर से आपत्ति ली गई थी। अधिकारियों ने आश्रम संचालक से निर्माण की अनुमति और संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा था, लेकिन निगम के अनुसार इसका संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया।

मोहलत मांगी, दस्तावेज पूरे नहीं किए-अधिकारियों के अनुसार पूर्व में आपत्ति के बाद आश्रम संचालक की ओर से कुछ समय की मोहलत



मांगी गई थी। इस दौरान निर्माण से जुड़े दस्तावेज और अनुमति संबंधी प्रक्रिया पूरी करने की बात कही गई थी। हालांकि

निर्धारित समय के बाद भी आवश्यक कार्रवाई पूरी नहीं की गई। इसके बाद नगर निगम ने सोमवार सुबह मौके पर पहुंचकर पक्के निर्माण को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी।

विरोध के बीच चली जेसीबी- कार्रवाई शुरू होते ही आश्रम के प्रबंधक ने निगम की टीम के सामने विरोध जताया। मौके पर मौजूद

अधिकारियों ने निर्माण को नियमों के विपरीत बताते हुए कार्रवाई जारी रखी। इसके बाद जेसीबी की मदद से भवन के पक्के हिस्से को

तोड़ा गया। नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि सिंहस्थ मेला क्षेत्र में बिना अनुमति किए गए निर्माण के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

मेला क्षेत्र में निर्माणों पर निगम की नजर- सिंहस्थ को लेकर मेला क्षेत्र में बड़े स्तर पर तैयारियां चल रही हैं। ऐसे में यहां होने वाले निर्माण और अतिक्रमण को लेकर नगर निगम द्वारा निगरानी की जा रही है। लाल पुल के पास माधवन आश्रम के निर्माण पर हुई कार्रवाई को इसी प्रक्रिया से जोड़कर देखा जा रहा है। निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना अनुमति किए गए निर्माण के मामले में दस्तावेज और अनुमति की जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बापू नगर में चाकू मारने वालों का रात में निकाला जुलूस



उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बापू नगर में दो दोस्तों को चाकू मारने वाले दो बदमाश आरोपियों का रात में पुलिस ने जुलूस निकाला और उनकी गुंडागर्दी का भूत कानून के डंडे से उतारा। सोमवार को आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया।

चिमनगंज थाना क्षेत्र के बापूनगर में शनिवार-रविवार रात 12 बजे चाकूबाजी की घटना सामने आई थी। दो युवक यश पिता विजय राठौर निवासी तिलकेश्वर कालोनी और भोला पिता मदनलाल निवासी भैरुनाला गंभीर रूप से घायल हुए थे। पुलिस ने दोनों को अस्पताल पहुंच कर बयान दर्ज किए थे इस दौरान सामने आया था कि चाकू मारने वालों में दुर्भल उर्फ रोहित और गोलू खटीक शामिल थे पुलिस ने रात में घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था दोनों से चाकू बरामद किए गए हैं रात में पुलिस में दोनों का बापू नगर क्षेत्र में जुलूस निकाला और उनकी दहशतगर्दी को कम करने के लिए कानून के डंडे से सबक सिखाया। विदित हो कि घायल और आरोपी आपस में दोस्त है। सभी शनिवार को बेगम बाग कॉलोनी में दोस्त के बेटे का जन्मदिन मनाने के बाद सराब पीने के लिए आगर रोड स्थित वाइन शॉप पर पहुंचे थे। जहां से लौटते समय उनके बीच मोबाइल को लेकर विवाद हो गया था जिसके चलते दुर्लभ और गोलू ने चाकू मारे थे। यही नहीं सही ने मिलकर रेती मंडी के पास राजीव नगर में रहने वाले नवीन पिता महेन्द्र को रोक लिया था और उसके साथ बेवजह मारपीट की थी।

जहांगीरपुर में सिंदूर का पौधा रोपकर राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस सप्ताह मनाया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला आयुष अधिकारी डॉ. मनीषा पाठक के निर्देशन में शासकीय आयुर्वेद औषधालय, जहांगीरपुर द्वारा राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस सप्ताह के अवसर पर ग्राम स्तर पर विभिन्न स्वास्थ्य जागरूकता एवं पौधारोपण कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्राम के सभी देव स्थानों पर सिंदूर के पौधों का रोपण किया गया तथा उपस्थित नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने हेतु आयुर्वेद प्रतिसा दिलाई गई। कार्यक्रम के दौरान आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय पाटीदार ने आयुर्वेद के महत्व और बीमारियों की रोकथाम में इसकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के निर्णयानुसार प्रतिवर्ष आयुर्वेद दिवस स्थाई रूप से 23 सितंबर को ही मनाया जाता है। इसका एक विशेष खगोलीय और दार्शनिक महत्व है। उल्लेखनीय है कि 23 सितंबर को सूर्य भूमध्य रेखा के ठीक ऊपर सीधा चमकता है, जिससे पृथ्वी के दोनों गोलार्धों पर दिन और रात की अवधि लगभग 12-12 घंटे के बराबर होती है।

डोल ग्यारस पर आज निकलेगा फूलडोल चल समारोह, 30 से ज्यादा झाकियां-अखाड़े होंगे शामिल

किशनपुरा मंदिर से शुरू होगी शोभायात्रा- निगम ने जुलूस मार्ग पर सफाई, रोशनी, पानी और पेंचवर्क पूरा कराने के लिए निर्देश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। डोल ग्यारस पर मंगलवार को शहर में फूलडोल चल समारोह निकलेगा। बैरवा समाज की ओर से आयोजित समारोह की शुरुआत मक्सी रोड स्थित किशनपुरा मंदिर से होगी। समारोह में 30 से ज्यादा झाकियां और अखाड़े शामिल होने की संभावना है। इसे देखते हुए नगर निगम ने जुलूस मार्ग की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। सोमवार को नगर निगम अधिकारियों ने बैरवा समाज के प्रमुख लोगों के साथ किशनपुरा मंदिर से लेकर पूरे जुलूस मार्ग का निरीक्षण किया।

अधिकारियों ने मार्ग पर सफाई, रोशनी, पीने के पानी सहित श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। संबंधित अधिकारियों को सभी इंतजाम समय पर पूरे करने के निर्देश दिए गए।

जहां सड़क खराब, वहां होगा पेंचवर्क- निरीक्षण के दौरान जुलूस मार्ग पर जहां-जहां सड़क खराब मिली, वहां पेंचवर्क कराने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही रास्ते में आने वाले अतिक्रमण हटाने और सड़क किनारे उगी झाड़ियों की कटाई-छटाई कराने को कहा गया, ताकि चल

समारोह के दौरान झाकियों और अखाड़ों को आवागमन में परेशानी न हो।

अलग-अलग क्षेत्रों से आएंगी झाकियां- डोल ग्यारस पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों से झाकियां और अखाड़े फूलडोल चल समारोह में शामिल होंगे। 30 से ज्यादा झाकियों और अखाड़ों के शामिल होने की संभावना को देखते हुए नगर निगम ने जुलूस मार्ग पर व्यवस्थाएं दुरुस्त करने का काम तेज कर दिया है। मंगलवार को समारोह के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सफाई, पेयजल और प्रकाश व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

डॉ. टॉम जॉर्ज को मिला वैश्विक शिक्षक रत्न अवार्ड



उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। 25 राष्ट्रों के राष्ट्रीय ध्वजों के सानिध्य में नई दिल्ली में हुआ समारोह विश्व शांति एवं वैश्विक समरसता की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्यरत अन्तर्राष्ट्रीय समरसता मंच द्वारा संपेक्षी डॉ. राधाकृष्णन जयंती समापन महोत्सव के अवसर पर नई दिल्ली में राष्ट्रीय शिक्षक सम्मेलन एवं विचार-प्रस्तुतीकरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह में 'डॉ. टॉम जॉर्ज निदेशक मनोविकास कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन, उज्जैन (मध्य प्रदेश) को उनके कार्य एवं उपलब्धियों के लिए वैश्विक शिक्षक रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। 25 राष्ट्रों के राष्ट्रीय ध्वजों के सानिध्य में आयोजित समारोह में उन्हें अभिनन्दन - पत्र, मोमेंटो, शॉल एवं साफा प्रदान कर राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथियों में न्यायमूर्ति श्री जे.के.

रांका, अध्यक्ष, रिटायर्ड सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय जजेज एसोसिएशन; न्यायमूर्ति डॉ. इशरत मस्कर कुहूसी, पूर्व मुख्य न्यायाधीश, उड़ीसा उच्च न्यायालय, भुवनेश्वर; माननीय नागेंद्र राव उर्फ अनन्त महाराज जी, सांसद, राज्यसभा, नई दिल्ली तथा श्री विजय पाल तोमर, पूर्व सांसद एवं प्रभारी, भारतीय जनता पार्टी शामिल रहे। समारोह के विशिष्ट अतिथि डॉ. ए. पी. सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता, सर्वोच्च न्यायालय, भारत रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. हुकम चन्द गणेशिया, कुलपति, रोमा इंटरनेशनल कल्चर यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली ने की। समारोह में मंच की ओर से डॉ. टॉम जॉर्ज की कार्य-उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उनके योगदान की सराहना की गई। डॉ. कुलदीप प्रसाद शर्मा, संयोजक, अन्तर्राष्ट्रीय समरसता मंच ने बताया कि डॉ. टॉम जॉर्ज को मंच द्वारा दिसम्बर माह में काठमाण्डौ, नेपाल में प्रस्तावित सार्क स्थापना दिवस समापन महोत्सव के अन्तर्राष्ट्रीय समारोह में भी आमंत्रित किया गया है। डॉ. टॉम जॉर्ज के कार्य एवं उपलब्धियों का अवलोकन करने के पश्चात मंच की चयन समिति द्वारा उन्हें वैश्विक शिक्षक रत्न अवार्ड के लिए चयनित किया गया। नई दिल्ली में सम्मान प्राप्त होने पर डॉ. टॉम जॉर्ज के परिजनों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं ।

आयुष्मान भारत योजना से ग्राम खानदोदा के राजेश को मिला निःशुल्क डायलिसिस का जीवनदायी लाभ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से आम नागरिक के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की एक प्रेरणादायक सेवा की

कहानी सामने आई है। ग्राम खानदोदा निवासी 42 वर्षीय श्री राजेश, पिता श्री जगदीश, आयुष्मान भारत (निरामयः) योजना के तहत सिविल अस्पताल माधवनगर की शासकीय डायलिसिस इकाई में निःशुल्क नियमित डायलिसिस प्राप्त कर नई जीवनशक्ति पा रहे हैं। राजेश खेती का कार्य कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। वे प्रायः बीमार रहने लगे और कमजोर होते चले गए। शरीर में लगातार सूजन बनी रहती थी, जिससे दैनिक कार्य करने में भी कठिनाई होने लगी। स्वास्थ्य में निरंतर गिरावट देखकर परिजन उन्हें निजी अस्पताल ले गए। जांच



में किडनी खराब होना पाया गया और चिकित्सकों ने तुरंत डायलिसिस की सलाह दी, ताकि उन्हें गंभीर स्थिति से बाहर लाया जा सके। परिवार ने आर्थिक व्यवस्था कर निजी अस्पताल में डायलिसिस प्रारंभ करवाया। शीघ्र ही सप्ताह में दो बार डायलिसिस की आवश्यकता पड़ने लगी, जिसका व्यय लाभभग 3,000 से 4,000 रुपये प्रति सप्ताह आने लगा। इससे परिवार की आर्थिक स्थिति बिगड़ने लगी। आर्थिक विवशता के कारण परिजन राजेश को सिविल अस्पताल, माधवनगर लेकर पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने बताया कि वे गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार की श्रेणी में आते हैं, अतः निःशुल्क उपचार का लाभ प्राप्त कर

सकते हैं। तत्पश्चात राजेश का पंजीयन आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत कराया गया।

वर्तमान में आयुष्मान भारत निरामयम् योजना के तहत राजेश का सप्ताह में दो बार निःशुल्क डायलिसिस सिविल अस्पताल माधवनगर की शासकीय डायलिसिस इकाई में नियमित रूप से किया जा रहा है। सप्ताह के दोनों सत्रों का संपूर्ण व्यय शासन द्वारा वहन किया जा रहा है, जिससे परिवार को बड़ी राहत मिली है। डायलिसिस के बाद राजेश पहले की तुलना में बेहतर महसूस कर रहे हैं।

परिवार उनके स्वास्थ्य सुधार से संतुष्ट है और निकट भविष्य में और अधिक स्वास्थ्य लाभ की आशा कर रहा है। राजेश के परिजन इस योजना से लाभ मिलने पर अत्यंत प्रसन्न हैं। यह प्रकरण इस बात का जीवंत उदाहरण है कि आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं केवल उपचार नहीं, बल्कि आर्थिक संकट में फंसे परिवारों को सहारा और नई उम्मीद भी देती हैं। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ऐसी सेवा की कहानियां शासन की जनसेवा भावना को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बन रही हैं।